दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-95
मुरादाबाद
25 July 2024
(Thursday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर क्रैश हुआ विमान, प्लेन में सवार 19 में से 18 की मौत

नेपाल की राजधानी काठमांडू में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को एक विमान क्रैश हो गया। इसमें 19 लोग सवार थे। बताया गया है कि विमान रनवे से फिसल गया और बाहर जाकर क्रैश हो गया। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उड़ान भरने के दौरान एक निजी एयरलाइन कंपनी सौर्य एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 19 लोग सवार थे। इनमें 18 लोगों की मौत की बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान पोखरा जा रहा था और सुबह करीब 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। उड़ान भरने के दौरान हुआ हादसा- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पोखरा जाने वाले सौर्य एयरलाइंस के विमान के उड़ान भरने के दौरान रनवे से बाहर निकल जाने के कारण यह दुर्घटना हुई। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 19 लोग सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटनास्थल से पांच शव बरामद हुए थे। जहाज के कैप्टन एमआर शाक्य को अस्पताल ले जाया गया है। हवाई अड्डे पर धुएं का घना गुबार देखा गया।

पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटना स्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। हादसे के बाद काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एहतियातन बंद कर दिया गया है। साल 2023 में भी हुआ था नेपाल में बड़ा विमान हादसा- बीते साल भी नेपाल ने एक विमान हादसे में 72 लोगों की मौत हो गई थी। साल 2023 में यति एयरलाइंस का विमान नेपाल में हादसे का शिकार हो गया था। यति एयरलाइंस के हादसे में जान गंवाने वालों में पांच भारतीय भी शामिल थे। जांच में पता चला था कि यति एयरलाइंस का हादसा पायलट की गलती से हुआ था, जब विमान के पायलट ने गलती से पावर कट कर दिया था, जिससे विमान हादसे का शिकार हो गया। नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक बड़ा विमान हादसा हुआ। यहां के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उड़ान भरने के दौरान सौर्य एयरलाइन कंपनी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 19 लोग सवार थे। इनमें से 18 लोगों की मौत की बात सामने आई है। हादसा कितना भयानक था इसका अंदाजा तस्वीरों से साफ लगाया जा सकता है। हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं।

दिल्ली में टीडीपी के खिलाफ जगन मोहन रेड्डी का विरोध प्रदर्शन, अखिलेश यादव-संजय राउत ने भी दिया साथ

दिल्ली के जंतर मंतर पर टीडीपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में आज वे सत्ता में हैं। कल हम भी सत्ता में आ सकते हैं। हम कल सत्ता में थे, लेकिन हमने कभी इस तरह के व्यवहार का समर्थन नहीं कियाआंध्र प्रदेश में लगभग एक हफ्ते पहले वाईएसआरसीपी की युवा शाखा के एक सदस्य राशिद की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद वाईएसआरसीपी के नेताओं ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर राज्य में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंध्र प्रदेश सरकार के खिलाफ एक दिवसीय फोटो/वीडियो प्रदर्शनी और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इस प्रदर्शन में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी हिस्सा लिया। टीडीपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने पत्रकारों से भी बात की। टीडीपी सरकार के खिलाफ जगन मोहन रेड्डी का विरोध प्रदर्शन- दिल्ली के जंतर मंतर पर टीडीपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 卐राज्य में आज वे सत्ता में हैं। कल हम भी सत्ता में आ सकते हैं। हम कल सत्ता में थे, लेकिन हमने कभी इस तरह के व्यवहार का समर्थन नहीं किया। हमने कभी भी हमलों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के काम को प्रोत्साहित नहीं किया। आज आंध्र प्रदेश की स्थिति अलग है। पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने आगे कहा, 卐दिल्ली में इस देश के सामने खड़े हैं। हम सवाल कर रहे हैं कि आंध्र प्रदेश में लोकतंत्र कायम है या नहीं। जहां दुनिया में लोकतंत्र शब्द का मतलब समान न्याय है, वहीं आज राज्य में न्याय देने से इनकार किया गया है। इस सरकार के गठन के 45 दिन के अंदर ही राज्य में ऐसी स्थिति है, जहां 30 से अधिक लोगों की हत्या कर दी गई। कई संपत्तियों को भी नष्ट कर दिया गया है। आपके पास मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश जैसे व्यक्ति हैं, जो पूरे राज्य में एक लाल किताब प्रदर्शित कर रहे हैं। इस लाल किताब में उन नेताओं के नाम हैं, जिसके खिलाफ वे कार्रवाई और हमला करेंगे। इस तरह के होर्डिंग पूरे राज्य में लगा हुआ है। जगन मोहन रेड्डी ने कहा, 卐आज आंध्र प्रदेश की क्या दुर्दशा है? जो कुछ भी आज आंध्र प्रदेश में हो रहा है, क्या वह उचित है? क्या एक सीएम का बेटा (नारा लोकेश), जो खुद भी मंत्री है, एक लाल किताब दिखा सकता है? राज्य भर में लगे होर्डिंग में उनकी तस्वीर है। इससे पुलिस विभाग में क्या संदेश जाता है? अगर कोई शिकायत दर्ज कराता है तो आप झूठा केस बना देते हैं। अब वह राज्य को नष्ट कर रहा है। यहां खतरनाक घटनाएं घट रही हैं, जहां तलवारों और चाकुओं से लोगों को काटा जा रहा है। पुलिस चुपचाप सब देख रही है। जब वह खुद ही ऐसी हरकत कर रहे हैं, तो उनपर उंगली कौन उठाएगा। कैसे हुई वाईएसआरसीपी की हत्या- आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के विनुकोंडा शहर में बुधवार की रात वाईएसआरसीपी की युवा शाखा के एक सदस्य राशिद की हत्या कर दी गई। मामले को लेकर पलनाडु जिले के पुलिस अधीक्षक कांचे श्रीनिवास ने कहा कि शेख जिलानी नाम के एक व्यक्ति ने राशिद पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना में कोई राजनीतिक कोण नहीं है। फिलहाल आरोपी की जांच चल रही है। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों को सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में नौ आईएएस, पांच पीसीएस अफसरों के तबादले, फिरोजाबाद व कानपुर नगर के सीडीओ बदले

यूपी में नौ आईएएस व पांच पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। कई जिलों के सीडीओ व एसडीएम की तैनाती में फेरबदल किया गया है।यूपी में नौ आईएएस व पांच पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। कानपुर नगर और फिरोजबाद के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बदले गए हैं। आईएएस सुधीर कुमार नगर आयुक्त कानपुर नगर बनाया गया है वो अभी तक सीडीओ कानपुर नगर थे। आईएएस दीक्षा जैन सीडीओ कानपुर नगर बनाया गया है अभी तक वह सीडीओ फिरोजबाद थीं।आईएएस शत्रुघ्न बैश्य सचिव कानपुर विकास प्राधिकरण कानपुर नगर को सीडीओ फिरोजाबाद बनाया गया है। आईएएस प्रेरणा सिंह को ग्रेटर नोएडा अथारिटी की एसीईओ नियुक्त किया गया है।ी विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। आईएएस रणविजय यादव अपर आयुक्त लखनऊ मंडल को विशेष सचिव सिंचाई विभाग नियुक्त किया गया है। पीसीएस अफसरों के तबादले- - सिटी मैजिस्ट्रेट लखनऊ पीसीएस सिद्धार्थ कानपुर के नये एडीएम एफआर बनाये गये हैं। - सिटी मैजिस्ट्रेट गोरखपुर पीसीएस मंगलेश दुबे को एडीएम प्रशासन नोएडा बनाया गया है। - एसडीएम बुलन्दशहर पीसीएस विमल किशोर गुप्ता को मेरठ का एडीएम न्यायिक बनाया गया है। - पीसीएस पंकज दीक्षित एसडीएम बहराइच को एसडीएम आजमगढ़ बनाया गया है। - पीसीएस शालिनी सिंह तोमर सहायक निदेशक स्थानीय निकाय को एसडीएम उन्नाव बनाया गया है।

हंगामे के बाद संसद में किसानों से मिले राहुल, कहा- हम MSP की गारंटी के लिए सरकार पर डालेंगे दबाव

लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने किसानों को संसद के अंदर नहीं आने देने का आरोप लगाया था। आज संसद के बाहर जमकर शोर-शराबा देखा गया। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किसान नेताओं को संसद में अपने कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया था। मगर बवाल तब हो गया, जब किसानों को संसद के अंदर नहीं आने दिया। हालांकि, हंगामे और विरोध के बाद किसान नेताओं के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा प्रतिपक्ष नेता से मुलाकात की। मुलाकात से कुछ देर पहले राहुल ने किसानों को संसद के अंदर नहीं आने देने का आरोप लगाया था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हमने उन्हें (किसान नेताओं को) यहां मिलने के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन वे उन्हें (संसद में) नहीं आने दे रहे हैं। क्योंकि वे किसान हैं, यहां शायद यही कारण है कि वे उन्हें अंदर नहीं आने दे रहे हैं।% उन्होंने आगे कहा, यह समस्या है। मगर हमें क्या करना चाहिए? यह एक तकनीकी मुद्दा भी हो सकता है।% हालांकि, कुछ देर बाद किसानों को अंदर जाने की इजाजत मिल गई। एजेंसी के मुताबिक, किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी के सामने प्राइवेट मेंबर्स बिल (निजी सदस्य विधेयक) लाने की बात रखी है। यह लोग भी रहे मौजूद- किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के तत्वावधान में देशभर से आए 12 किसान नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला, धर्मवीर गांधी, डॉ अमर सिंह, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और जय प्रकाश भी मौजूद रहे। सरकार पर दबाव डालेंगे दबाव- राहुल किसान नेताओं से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा, %हमने अपने घोषणापत्र में कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी का जिक्र किया है। हमने आकलन किया है और इसे लागू किया जा सकता है। हमने अभी एक बैठक की, जिसमें तय किया गया कि हम विपक्षी गठबंधन के दूसरे नेताओं से बात करेंगे और सरकार पर दबाव डालेंगे कि देश के किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।%प्रदर्शनकारी किसान 15 अगस्त को देश भर में ट्रैक्टर रैली निकालेंगे- 22 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने कहा था कि वे देशभर में मोदी सरकार के पुतले जलाएंगे। स्स्क्कगारंटी को कानूनी बनाने की अपनी कानून की गारंटी, ऋण माफी, फसल बीमा, किसानों और खेतिहर मजदूरों की पेंशन, बिजली के निजीकरण को वापस लेने समेत अन्य मांगों को पूरा करने के लिए नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। इसके अलावा विपक्ष द्वारा निजी विधेयकों का समर्थन करने के लिए मार्च भी निकालेंगे। प्रदर्शनकारी किसान 15 अगस्त को देश भर में ट्रैक्टर रैली निकालेंगे। और नए क्रिमिनल बिल की कॉपियां भी जलाएंगे। किसान संगठनों ने कहा था कि किसानों का %दिल्ली चलो% मार्च 31 अगस्त को 200 दिन पूरा करेगा। संगठनों ने किसानों से पंजाब-हरियाणा के खनौरी-शंभू बॉर्डर पर पहुंचने की अपील भी की है।

विधानसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पास, महागठबंधन ने हंगामे के बाद कर दिया वॉक आउट

17वीं बिहार विधानसभा के 12वें सत्र के दो दिन तक विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव नहीं आए, लेकिन सीएम नीतीश कुमार को लेकर खूब हंगामा हुआ। विपक्षी सदस्य वेल में आकर लगातार नारेबाजी करते रहे तो कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। बिहार विधानसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पास हो गया। अब पेपरलीक केस में शामिल आरोपियों पर नॉन बेलेवल धाराएं लगाई जाएंगी। इतना ही नहीं तीन से 10 साल तक की सजा और 10 लाख से एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। यह कानून बिहार सरकार की ओर से ली जाने वाली सारी परीक्षाओं पर लागू होगा। दरअसल, बिहार सरकार पेपर लीक को घोषित करने जा रही है। पेपरलीक करने वालों पर नॉन बेलेवल धाराएं लगेंगी। तीन से लेकर 10 साल तक की सजा होगी और 10 लाख से एक करोड़ रुपये तक जुर्माना लगेगा। सदन में बिहार सरकार ने एंटी पेपरलीक बिल पर चर्चा करते हुए कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए सख्त कानून बनएंगे। नीट की परीक्षा में जो धांधली हुई है। केंद्र सरकार ने उन गड़बड़ी को रोकने के लिए नियम बनाया। पूरे देश में लागू हो गया है। लेकिन विपक्ष सदन से बाहर चले गए। सदन के बाहर आकर राजद विधायक रेखा कुमारी ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के बारे में कहा कि वह महिला विरोध हैं। वह विधायक जरूर बन गई हैं

ये पार्टियों के आत्म-मंथन करने का समय, राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर बिफरे सभापति धनखड़

सभापति ने कहा कि बजट पर आज चर्चा सूचीबद्ध थी और मुझे उम्मीद थी कि नियमों का पालन होगा और माननीय सदस्य बजट पर चर्चा करेंगे, लेकिन अब मुझे ऐसा लगता है कि रणनीति के तहत ये किया गया। बजट के विरोध में विपक्ष ने आज राज्यसभा से वॉकआउट किया। इस पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। सभापति ने कहा अगर ऐसा चलता रहा तो इससे लोकतंत्र में पड़ जाएगा। सभापति ने ये राजनीतिक पार्टियों के लिए मंथन का समय आ गया है। कहा कि बजट पर आज चर्चा और मुझे उम्मीद थी कि नियमों होगा और माननीय सदस्य चर्चा करेंगे, लेकिन अब मुझे है कि रणनीति के तहत ये मैं सदस्यों से अपील करता हूं इसी तरह से सदन में हंगामा

गंभीर खतरे भी कहा कि अब आत्म सभापति ने सूचीबद्ध थी का पालन बजट पर ऐसा लगता किया गया। कि अगर होता रहा और इसे राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया तो इससे लोकतंत्र गंभीर खतरे में पड़ जाएगा राज्यसभा में चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्मला सीतारमण को लेकर कहा कि माताजी बोलने में एक्सपर्ट हैं। इस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बोले- वो माताजी नहीं, आपकी बेटी की उम्र के बराबर हैं। इस दौरान नेता मुस्कुराते नजर आए। राज्यसभा में नियम 267 के तहत सांसदों ने कार्य स्थगन का नोटिस दिया। इस पर सभापति ने कहा कि मैं फिर कहता हूं कि राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को इस मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। सदन में हंगामा अब रोज की बात हो गया है। सदन की कार्यवाही स्थगित करने की मांग करना एक बहुत ही गंभीर मामला है। पिछले 36 वर्षों में इस तंत्र का इस्तेमाल सिर्फ छह अवसरों पर ही किया गया है। केवल असाधारण परिस्थितियों में ही इसका इस्तेमाल किया गया। आज दिया गया नोटिस निर्देशों का पालन नहीं करता है, ऐसे में इसे मंजूरी नहीं दी जा सकती।

संपादकीय Editorial

Get rid of unemployment and inflation

Today, the first complete, national budget of the third Modi government has been presented in the Parliament. Finance Minister Nirmala Sitharaman has still prepared the budget. The country has many hopes and expectations from the budget. What will be the focus of the budget, it will be clear only after reading the budget. The major problem of the youth of the country is unemployment. The national rate of unemployment has gone up to more than 9 percent. However, government figures tell something else. Nearly 80 crore Indians do not have permanent employment or they are unemployed. The rejuvenation of MNREGA is very important, although its amount was reduced in the last budget. Inflation and poverty are linked to unemployment. Although the economic claims of the government and the Reserve Bank of India are that the average rate of inflation is less than 5 percent, so it is under control, but tomatoes are available at Rs 127 per kg and most pulses are being sold at more than Rs 150 per kg, so what will we call this situation? Are these prices indicative of a cheap system? Hoarding and black marketing along with inflation may not be mentioned in the budget, but inflation is a national problem that should be addressed in the budget. Before assuming office, Prime Minister Modi had assured the country that inflation will be controlled. On an average, farmers are very poor, so the Prime Minister had promised to double their income. That has not happened yet, although some efforts have been made. Discussions are going on that the farmer's honor fund can be increased from Rs 6000 per annum. India has exported Basmati rice worth Rs 48,389 crore. The situation of wheat and other crops remains unstable because the government's policies keep changing. It is a contradictory question that a farmer who exports so much is still poor. This means that the produce is purchased from the farmer at a very low price and then government agencies sell it to foreign countries at high prices. This is what happens in the domestic market. The facilities of 'Kisan Card' can be increased. Some subsidies can also be announced, but will the government make any concrete announcement on the legal guarantee of minimum support price (MSP) of crops? What will be the state of the core sector of the government economy? How much budget will be set for the development of infrastructure and manufacturing sectors is also an important possibility. How much budget will the government allocate for small, micro, medium industries is important because these industries had come under lockdown during the corona epidemic. Since there are vast employment opportunities in these industries, the government would like to revive this sector! The country has a debt of about Rs 200 lakh crore. Why was so much debt taken and what is the status of payment now, will it be disclosed in the budget? From the budget point of view, how much is the fiscal deficit and current account deficit, it is disclosed in the budget, but the country should also know when will these come to the expected average. Of course, enough budget should be given on education, health, science, space, special missions etc., so that we can be fully prepared for future disasters. The income tax exemption for the average citizen in the budget is sufficient, but the gap of economic inequality in the country should be filled. Apart from this, education, home, personal loans should be made relatively cheaper in banks. The interest rates on these are still very high. According to various estimates of the International Monetary Fund and the World Bank, India's annual economic growth rate is 7-8 percent, which is the highest in the world. India is the country with the fastest economy.

Budget 2024: A budget that sustains the government more than providing relief

Presented for the seventh time by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman. The budget for the year 2024-25 is undoubtedly a long-term budget that will take the country's economy forward, but the expectations of immediate relief that the common people had from the budget are missing. At first glance, it is clear that the priority of the Modi government is to save its coalition government. The shadow of the Modi guarantee, which was in the news during the Lok Sabha elections, was not visible much in the country's budget for the year 2024-25 presented for the seventh time by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman. This budget is undoubtedly a long-term budget that will take the country's economy forward, but the expectations of immediate relief that the common people had from the budget are missing. In fact, it is clear at first glance that the priority of the Modi government is to save its coalition government. The way this NDA government is running on the crutches of JDU and TDP, it was natural for Bihar and Andhra Pradesh to be favoured. Although the Modi government has rejected the demand of Nitish Kumar and Chandrababu Naidu to give special status to their states, it is certain that they will continue to demand and take more share from the Centre in return for support. The surprising thing is that the four states of Maharashtra, Haryana, Jharkhand and Jammu and Kashmir, where assembly elections are to be held this year, have also not been given anything special in the budget. But if seen from the point of view of long-term development, this budget is inspired by the resolve to strengthen the foundation of development and move forward in that direction. While Prime Minister Narendra Modi has called it a far-sighted budget that will take the country to new heights, the Leader of the Opposition Rahul Gandhi has called it a 'Save Chair Budget'. The political message from this budget is also clear that the Modi government has full faith in its strength. Also, it does not need any populist tricks to win the assembly elections of four states to be held this year. Now whether this is the confidence or overconfidence of the Modi government, it will be known from the results of the assembly elections. Political side of Modi government and budget - If we look at the entire budget from a political perspective, then in the budget of Modi government 3.0, the Finance Minister has addressed the main issues that can change the narrative of the Lok Sabha elections, such as unemployment, inflation and farmers' problems, but with ease and that too in a roundabout way. Talking about unemployment, the Finance Minister did not make a single announcement that would give the message that the government itself wants to come forward as a big employer. In this matter, most of the trust has been expressed on the private sector and self-employment. The government will give a monthly allowance of five thousand rupees to the youth doing internship in the big 500 companies. But the Finance Minister has not given any road map as to how many companies will compulsorily keep interns and how many interns they will keep. Congress leader P. Chidambaram took a jibe at this by saying that the provision of internship allowance seems to have been made after reading the Congress manifesto. On the other hand, the government's emphasis is on increasing employment, skill development and other employment opportunities. While the youth expected that the government would announce direct recruitment on a large scale. But there is nothing like that in the budget. However, in the budget, five more schemes of the Prime Minister have been taken for employment, skill and other opportunities for the 4.1 crore youth of the country in five years, which include giving a monthly salary of up to Rs 15,000 in three installments to the first time employees registered with EPFO, providing incentives to both the employee and the employer directly on a specified scale which depends on the EPFO ??contribution of both in the first four years of the job. There is a provision for the government to pay Rs 3000 per month to the employer for his EPFO ??contribution for every additional employee for two years. Along with this, it has been said to increase the skills of 20 lakh youth in the next five years. Providing direct employment and creating conditions for getting employment are two different things. Similarly, the government did not seem to be particularly concerned about inflation. It did not announce any direct relief to the public. Farmers and agriculture sector in the budget - As far as farmers are concerned, Rs 1.52 lakh crore has been announced for agriculture and related sectors in the budget. But there is no mention of the farmers' demand to give legal basis to MSP. Even the Kisan Samman Nidhi has not been increased. The middle class of the country has been a big supporter of the Modi government. But in the budget, relief has been given like a drop in the ocean in the form of income tax exemption and increase in standard deduction. Because the tax slabs that have been created are so small that a salary hike and DA can change the slab. In the new tax regime, the standard deduction has been increased from Rs 50 thousand to Rs 75 thousand. Also, changes have been made in the tax slabs in the new tax regime. The Finance Minister claims that this will help those earning more than Rs 10 lakh to save up to Rs 17,500 annually. But no changes have been made in the old tax regime. There is talk of infrastructure development and promotion of solar energy in the country. There is a scheme for the development of eastern and northeastern states called Purvodaya. In the entire budget, the most favours are seen on Bihar and Andhra. Even the big states like BJP ruled UP, MP, Rajasthan, Chhattisgarh etc. have not received much. In such a situation, states ruled by opposition parties like West Bengal, Punjab, Tamil Nadu, Kerala etc. The government should not have even expected this. The opposition parties are seeing this as political discrimination in the budget. Similarly, in view of the increasing number of rail accidents in the country, more funds for rail infrastructure development and better safety measures were not seen in the budget. No new trains were announced either. The budget proposal to increase capital gains tax instead of giving relief in it led to the stock market falling further instead of rising. Overall, the Modi government is assuming that by appeasing two leaders, the entire government will be able to function for five years. This also hides the overconfidence that the public will keep the BJP in power till the centenary of independence is celebrated. It does not seem that the government is much concerned about what the common public wants and thinks. Therefore, this budget is not for solving immediate problems but is another step towards realizing the dream of a golden and developed India and is like a ritualistic achamana done before any grand puja. The meaning is that if we have to build a golden India, then we will have to face some problems. Finance Minister Nirmala Sitharaman tried to please the two major constituents of the alliance, the Telugu Desam Party of Andhra Pradesh and the Janata Dal (U) of Bihar, in the budget. Bihar will get Rs 59,000 crore and Andhra Pradesh will get Rs 15,000 crore directly from the budget. The money for other schemes is separate from this. The effect of coalition politics was clearly visible in the first budget of Modi Government 3.0. After running a full majority government in 2014 and 2019, this is the first occasion when Prime Minister Narendra Modi is leading a coalition government. This is the reason why Finance Minister Nirmala Sitharaman tried to please the two major constituents of the alliance, the Telugu Desam Party of Andhra Pradesh and the Janata Dal (U) of Bihar, in the budget. Bihar will get Rs 59,000 crore and Andhra Pradesh will get Rs 15,000 crore directly from the budget. The money for other schemes is separate from this. A day before the budget, the Modi government had given the opposition an opportunity to attack by rejecting the demand for special status to Bihar. Especially in Bihar, Lalu Prasad Yadav of the opposition Rashtriya Janata Dal had even demanded the resignation of Chief Minister Nitish Kumar, but when Finance Minister Nirmala Sitharaman presented the budget, the most kindness was shown to Bihar. Rs 26,000 crore has been given for road projects in Bihar, which will include the construction of Patna-Purnia Expressway, Buxar-Bhagalpur Highway, Bodhgaya-Rajgir-Vaishali-Darbhanga and an additional two-lane bridge over the Ganga River in Buxar. A 2400 MW power project will also be set up in Pirpainti, Bihar at a cost of Rs 21,400 crore. Not only this, the Central Government will give Rs 11,500 crore to the Bihar Government to deal with and provide relief from floods which cause a huge loss in Bihar every year. Help will also be given to develop the Vishnupad Temple in Gaya and the Mahabodhi Temple in Bodh Gaya as world-class pilgrimage and tourist destinations. Andhra Pradesh is being given Rs 15,000 crore for the new capital and industrial corridor, but here the Finance Minister has to be praised. He has given money to both the states for development, without directly announcing any package or giving any grant. It is clear that building bridges, highways, taking measures for flood control, building a new capital will not only lead to development in the state, but will also create new employment opportunities. In fact, after the results of the Lok Sabha elections, the opposition was trying to woo Nitish Kumar, who was a major ally of the Indy alliance, and Chandrababu Naidu, who has not only formed the government in Andhra Pradesh, but has also won a large number of MPs. Apart from giving big posts in the cabinet, both were also being lured with special status for both the states. However, it seemed that both the parties would not make any such attempt right now. Before the budget, no special bargaining was seen from both the parties. Narendra Modi, who is running a coalition government for the first time, also knows that his chair can be saved only because of both TDP and JD (U). If even one of them leaves, the risk of the government becoming unstable increases. Call it the compulsions of the coalition or the money given to both the states for development. For now, Nitish Kumar's party seems happy with the budget and has also thanked the Prime Minister. Another good thing about the budget is that Finance Minister Nirmala Sitharaman did not feel much pressure from the coalition. Instead of making big free announcements, she has moved towards reducing the fiscal deficit by remaining balanced. She has made it clear that the government will move towards bringing down its debt. It will take less loan. It will increase more dependence on resources. Fiscal balance is visible in this budget. When the government presented the interim budget earlier this year, its estimate of fiscal deficit was kept at 5.1 percent of GDP, which has now been kept at 4.9 percent. The government's target is to take it to 4.5 percent next year.

जिले में पीआरडी के सिर्फ 338 जवान, 15 साल से नहीं हुई भर्ती

आजादी के एक साल बाद बना था प्रांतीय रक्षक दल, तीन साल में कम हो गए 21 जवान

मुरादाबाद- पुलिस के साथ कानून व्यवस्था व सुरक्षा में कदम से कदम मिलकर चलने वाले प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) देश आजाद होने के बाद खड़ा हुआ था। लेकिन, आज सबसे खराब हालत भी पीआरडी की है। सीडीओ, बिजली विभाग, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की सुरक्षा के साथ, ट्रैफिक में चौराहों थानों में महिला थाने में एमडीए के उपाध्यक्ष की सुरक्षा करने वाले पीआरडी जवानों की संख्या मुट्ठी भर रह गई है। पीआरडी के पिछले 15 साल से मात्र 359 जवान ही हैं। इनमें से पिछले तीन साल के अंदर 21 जवान और कम हो गए। तीन साल पहले आई भर्ती अचानक रद्द हो गई।वर्ष 1948 में देश आजाद होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस की मदद करने के लिए प्रांतीय रक्षक दल यानी पीआरडी का गठन किया गया था। आजादी की लड़ाई के नायक सुभाष चंद्र बोस की सेना में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की पूरे देश में पीआरडी में भर्ती की गई थी। उस वक्त पुलिस के बाद सबसे बड़ा रक्षक दल पीआरडी ही रहा था। आज उसकी हालत सबसे दयनीय स्थिति में है। मुरादाबाद में 15 साल पहले 2010-11 में पीआरडी की भर्ती की गई थी। तक 360 जवान भर्ती हुए थे। इसके बाद कुछ जवान अपनी पूरी सेवाएं देकर सेवानिवृत हो गए। कुछ छोड़ कर चले गए। कुछ लोगों का ड्यूटी पर देहांत हो गया। जिनके बेटों ने मृतक आश्रित में आवेदन किया है। जिला युवा कल्याण अधिकारी भगवान दास ने बताया कि 7 जवानों की ड्यूटी पर मौत हुई थी। जिसमें चार लोगों के आवेदन को शासन पर स्तर मंजूरी के लिए भेजा गया है। वर्ष 2010-11 के बाद से 21 जवान अब पीआरडी में नहीं रहे। अब जवानों की संख्या घट 338 रहे गई है। इसके बाद 2021 में सरकार ने पीआरडी की भर्ती पर से रोक हटाई और विकास भवन स्थित जिला युवा कल्याण विभाग में भर्ती के फॉर्म आए। जिसके लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में प्रचार प्रसार भी किया गया। इसके बाद कई दिनों तक विकास भवन में हजारों युवाओं की फार्म लेने के लिए भीड़ लगी रही है। अचानक बिना किसी कारण शासन से भर्ती को रद्द कर दिया गया। इसके बाद अब फार्म भरने वाले ग्रामीण क्षेत्र के युवा भर्ती खुलने की आस विभाग के चक्कर काट रहे हैं।

औषधि निरीक्षक ने घर में चल रहे अस्पताल में मारा छापा, 165000 रुपये की दवाएं जब्त

मुरादाबाद- औषधि निरीक्षक ने घर में चल रहे अस्पताल में छापा मारा। छापे से अस्पताल संचालक एवं मरीजों में हड़कंप मच गया। सभी मरीज वहां से चले गए। टीम अस्पताल के मेडिकल स्टोर में रखी दवाओं और संचालक को थाने ले आई। औषधि निरीक्षक ने 1,65,000 रुपयों की दवाओं जब्त किया और संचालक को पुलिस के हवाले कर दिया। कस्बे के डींगरपुर रोड स्थित आजाद नगर में घर के अंदर अस्पताल चलाया जा रहा था। आईजीआरएस की शिकायत पर औषधि निरीक्षक उर्मिला वर्मा ने मंगलवार को अपनी टीम और पुलिस के साथ अवैध रूप से चल रहे अस्पताल पर छापा मारा। छापा लगते ही अस्पताल के डॉ. मोहम्मद कमाल एवं स्टाफ में अफरा तफरी का माहौल हो गया। सभी लोग वहां से भागने की फिराक में लग गए। भर्ती मरीज वहां से एक-एक कर सब निकल गये। काफी देर बाद डॉ. कमाल वहां पर आये। उसके बाद औषधि निरीक्षक ने उनसे पूछताछ की। पूछताछ कर दवाओं को जब्त कर एवं डॉक्टर को थाने ले आए। औषधि निरीक्षक ने बताया कि

घर का और अस्पताल का एक ही था रास्ता, नोडल अधिकारी ने भी लिया अस्पताल का जायजा

165000 रुपये की दवाएं मिलीं हैं। जिनको जब्त कर लिया गया है। ऐसी दवाइयां कोई नहीं मिली हैं जिससे कि अभी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और कोई कार्रवाई की जाए। डॉक्टर को पुलिस के हवाले कर दिया है। सभी दवाइयां अपने साथ ले जा रहे हैं। तभी नोडल अधिकारी डॉ. नरेंद्र चौधरी ने भी अस्पताल में जाकर देखा। कहा कि घर का एवं अस्पताल का एक ही रास्ता है इसलिए सील नहीं किया गया है। औषधि विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि किसी ने शिकायत की थी जिसके लिए टीम गठित की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

बलात्कार पीड़िता की दुकान में आग लगाने की कोशिश, जान से मारने की दी धमकी

मुरादाबाद- मूंढापांडे थाना क्षेत्र के अंतर्गत बलात्कार का मुकदमा वापस न लेने और फैसला न करने से गुस्साए आरोपियों ने पीड़िता की दुकान में आग लगाने की कोशिश की। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ छेड़छाड़ की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस द्वारा सुनवाई न करने पर पीड़िता ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। थाना मूंढापांडे क्षेत्र के गांव लाला टीकर की रहने वाले महिला ने एसएसपी को दिए गए शिकायत पत्र में बताया कि 27 नवंबर 2023 को गांव के ही गेंदलाल व रामसिंह ने उसके घर में घुसकर तमंचे के बल पर बलात्कार किया था। जिसके बाद पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता का कहना है कि तब से आरोपी उस पर मुकदमा वापस लेकर फैसला करने का दबाव बना रहे हैं। पीड़िता का आरोप है कि बीती 21 जुलाई की रात आरोपी गेंदलाल व रामसिंह उसकी सिलाई की दुकान में आग लगा रहे है। आवाज सुनकर पीड़िता जब दुकान पर पहुंची तो गेंदलाल, रामसिंह व उनके दो अज्ञात साथियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे। सभी आरोपियों के हाथों में लाठी-डंडे और चाकू थे। पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता का आरोप है कि वह इसकी शिकायत करने चौकी और मूंढापांडे गई थी, लेकिन वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद पीड़िता ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी सतपाल अंतिल ने मूंढापांडे थाना प्रभारी निरीक्षक को मामले की जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

पत्नी ने की रेकी... पति ने चचेरे भाइयों के साथ खंगाले घर, गिरफ्तार हुए तो जेवर देख पुलिस भी हैरान

मुरादाबाद पुलिस ने चोरी करने वाले एक गैंग को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लाखों के जेवर बरामद किए गए हैं। पता चला है कि महिला घरों की रेकी करती थी जबकि उसके पति चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। मुरादाबाद पुलिस ने आदर्श कॉलोनी निवासी अमित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने-चांदी के जेवर और नकदी समेत तमाम सामान बरामद किया।

आरोपी ने बताया कि उसे यह सामान अरविंद ने बेचने के लिए दिया था।अरविंद अपने चचेरे भाइयों के साथ मिलकर घरों में चोरी करता है।इससे पहले उसकी पत्नी घरों की रेकी करती है। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस चोर परिवार की तलाश कर रही है।

सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि पुलिस ने सोमवार रात सोनकपुर रेलवे ओवरब्रिज के पास से आदर्श कॉलोनी निवासी अमित को गिरफ्तार किया।पुलिस को उसके पास से 40 ग्राम स्मैक, सोने के तीन हार, दो कंगन, चेन, तीन लॉकेट, दो सादा लॉकेट, एक चेन, 13 अंगूठी, छह जोड़ी झुमके, एक टॉप्स, एक बाली, नथ समेत 38.6 तोला सोना, 508 ग्राम चांदी के अलावा 2,64,100 रुपये नकद मिले।आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसका साथी आदर्श कॉलोनी निवासी अरविंद, उसकी पत्नी सुमन और चचेरे भाई अरुण और अमित मिलकर घरों में चोरी करते हैं।

अरविंद की पत्नी घरों में नौकरानी बनकर जाती है और रेकी करने के बाद अपने पति अरविंद को बताती है। इसके बाद अरविंद अपने चचेरे भाइयों के साथ घरों को निशाना बनाता है। अरविंद और उसकी पत्नी व चचेचे भाइयों ने चोरी करने के बाद सामान अपने साथी अमित को बेचने के लिए दिया था। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि आदर्श कॉलोनी निवासी आरोपी अमित पुत्र अमर सिंह, अरविंद, उसकी पत्नी सुमन, अमित पुत्र प्रदीप और अरुण के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मंगलवार को आरोपी अमित पुत्र अमर सिंह को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। अन्य चार आरोपियों की तलाश की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के बाद ही पता चल सकेगा कि आरोपियों ने कहां-कहां चोरी की थी।

सीएमओ ने महानगर की 8 आशाओं को किया बर्खास्त, जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

मुरादाबाद- कार्य में शिथिलता पर महानगर अर्बन क्षेत्र की 8 आशाओं की सेवाएं समाप्त होने की कार्रवाई हुई है। यह कार्रवाई डीएम के आदेश पर सीएमओ ने की है। सीएमओ के इस आदेश के बाद आशाओं में खलबली मच गई है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में आशाओं के कार्यों की भी समीक्षा हुई थी। इसमें पता चला कि अर्बन क्षेत्र की आशाओं में 8 आशा का कार्य काफी खराब है। पिछले कई महीने से उनके कार्य की प्रगति सीएमओ ऑफिस में नहीं आ रही है। इसलिए संबंधित आशा क्षेत्र के लाभार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। जिन आशाओं की सेवा समाप्त की गई है, उनमें कांशीराम नगर की आशा मोनी सागर, नीरज व अनीता और फकीरपुरा की आशा उमा पांडेय व अंशु एवं कंजरी सराय की आशा रीना सिंह, मुकर्रबपुर की आशा राजबाला और मझोला क्षेत्र की आशा शिवानी रानी हैं। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि आशा शहर, कस्बा और गांव के स्वास्थ्य विकास के लिए बीमारियों से बचाव तथा स्वास्थ्यवर्धन का कार्य करती हैं। ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस को आयोजित करने में आशा की प्रमुख भूमिका है। इस दिन बच्चों को टीकाकरण के लिए केंद्र पर लाना, माता और गर्भवती स्त्रियों को आंगनबाड़ी केंद्र पर लाकर उनकी जांच करना रहता है। उन्होंने बताया कि इस समय विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान चल रहा है। जिसमें आशा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा नियमित टीकाकरण, जन्म से पांच वर्ष के बच्चों का सर्वे करना। इन सभी कार्यों में इन सभी आठ आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका पिछले कई महीने से शून्य रही है। उन्होंने बताया कि अर्बन क्षेत्र में कुल 300 आशा कार्यकर्ता थीं। अब आठ आशा कार्यकर्ताओं को सेवा से बर्खास्त किया गया है तो उनकी जगह पर नई आशा कार्यकर्ता का चयन किया जाएगा।

पिछले कई महीने से कार्य की प्रगति रिपोर्ट शून्य आने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

चीफ इंजीनियर को नोटिस, अमरोहा सीएमओ का वेतन रोका, कई अफसरों से मांगा स्पष्टीकरण

मंडलीय समीक्षा बैठक में खुले में रखे ट्रांसफार्मरों को सुरक्षा घेरे में करने के निर्देश की अनदेखी करने पर चीफ इंजीनियर से कमिश्नर ने स्पष्टीकरण तलब किया। साथ ही सीएचओ को किए जाने वाले पीबीआई के भुगतान की प्रगति खराब होने पर सीएमओ अमरोहा का वेतन रोकने के आदेश दिए।वहीं अवैध अस्पतालों का संचालन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा है। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। कमिश्नर ने सरकार की संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की स्थिति के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कीकमिश्नर ने आशा वर्कर्रों के कार्यों की बेहतर मॉनीटरिंग एवं समय से मानदेय और इंसेंटिव का भुगतान न किए जाने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। संस्थागत प्रसव की स्थिति की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने कहा कि अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटल आमजन के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसलिए प्रत्येक जनपद में अवैध हॉस्पिटलों के विरुद्ध अभियान चलना चाहिए तथा उनके संचालकों के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई जाए। कमिश्नर ने विद्यालयों में मानकों के विपरीत संचालित स्कूली बसों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए।

सत्ता पक्ष ने बजट को बताया मील का पत्थर तो विपक्ष ने लालीपाप भाजपा नेताओं ने कहा बजट में हर वर्ग के हितों का ख्याल, विपक्षी नेताओं ने कहा निराशाजनक रहा बजट

मुरादाबाद- वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में कई घोषणाएं की गई। महंगाई कम करने के उपाय हुए तो कई वस्तुओं के दाम कम हुए। सोने, चांदी के गहने पर इम्पोर्ट ड्यूटी कम करने की वित्तमंत्री ने घोषणा की। हर वर्ग को साधने की कोशिश बजट में की गई। सत्तापक्ष ने बजट को मील का पत्थर और दूरगामी परिणाम वाला बताया तो विपक्ष ने इसे लालीपाप और झुनझुना बताकर खारिज कर दिया। विपक्ष के नेताओं का कहना है कि इस बजट से किसी का भला होने वाला नहीं है। यह उद्योगपतियों के हित में हैं। बजट सकारात्मक है। 500 कंपनियों के साथ नौजवानों को रोजगार सृजन के लिए उठाए गए कदम से बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक दूर होगी। एमएसएमई के माध्यम से रोजगार सृजन करने के लिए मुद्रा लोन में प्रावधान की सराहना करते हैं। यह बजट विकसित भारत के निर्माण में मजबूत कदम है।-विनोद अग्रवाल, महापौर यह जनकल्याणकारी और जनता को समर्पित बजट है। इसमें किसानों, महिलाओं, युवाओं सभी वर्ग के लिए कल्याणकारी प्रावधान किए गए हैं। इसमें मध्यम वर्ग का भी ध्यान रखा गया है। औद्योगिक विकास को भी गति दी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को इस बजट से और मजबूती मिलेगी।-आकाश पाल, जिलाध्यक्ष, भाजपा बजट जनविरोधी है। इसमें किसानों, नौजवानों, सामान्य जन का कोई ध्यान नहीं दिया गया है। युवाओं के रोजगार का भी ध्यान इसमें नहीं रखा गया है। इस बजट से कुल मिलाकर सभी को निराशा मिली है। इसमें कुछ भी नया नहीं है।-जयवीर सिंह यादव, जिलाध्यक्ष, सपा बोगस बजट है। गरीबों के लिए इसमें कोई प्रावधान नहीं किया गया है। कमजोर तबके को मजबूती देने के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस बजट से सभी को मायूसी मिली है। बजट के नाम पर सपने दिखाए गए हैं।-असलम खुर्शीद, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस देश की जनता के साथ बजट एक छलावा है। इसमें मेहनतकश मजदूरों, युवाओं, किसानों, बेरोजगारों के लिए कोई योजना नहीं है। चुनाव के दौरान जिस गारंटी की बात नरेंद्र मोदी के नाम पर की गई वह बजट में कहीं नहीं दिख रहा है।-सुनील आजाद, जिलाध्यक्ष, बसपा बजट में जनता की उम्मीदों को ठेंगा दिखा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा है। नौकरी पेशा को टैक्स स्लैब में बड़ी छूट की उम्मीदों को झटका लगा है। किसानों, श्रमिकों, गरीबों के उत्थान की कोई बात नहीं है।-तुंगीश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष, समाजवादी शिक्षक सभा केंद्रीय वित्तमंत्री ने दलितों के कल्याण के लिए कोई व्यवस्था बजट में नहीं किया। सरकारी कार्यालय में आउटसोर्सिंग से कार्य कराएंगे लेकिन सरकारी नौकरी नहीं देंगे। बढ़ती महंगाई को देखते हुए आउटसोर्सिंग, संविदा कर्मचारियों का वेतन पैकेज बढ़ाना चाहिए था। बजट पूंजीपतियों के लिए है।-राजेंद्र वाल्मीकि, जिला चैयरमैन, अनुसूचित जाति जनजाति विभाग कांग्रेस कमेटी

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ग्राहक धन्यवाद बुंदेलखंडीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभन्जन ज्वेलर्स के सफलता के तीन वर्ष पूर्ण होने की खुशी दिया गया भोज

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच नगर के रामगंज मे स्थित नवीन प्रतिष्ठान और अति प्रसिद्ध प्रभन्जन ज्वेलर्स की सफलता के तीन वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य मे आज बुधवार को दोपहर बारह बजे से स्थानीय

सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज गल्ला मंडी के विशाल सभागार मे देव तुल्य ग्राहक धन्यवाद व राज भोज समारोह का आयोजन किया गया है इस भव्य दिव्य कार्यक्रम मे भारतीय संस्कृति से परिपूर्ण रंग मंच पर सांस्कृतिक संगीत संघ्या का कार्य क्रम का दीप प्रज्वलन संघ के ओम नारायण समाजसेवी प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह विधायक् पुत्र आशुँ निरंजन डा हरिमोहन गुप्त कोतवाल अरुण राय आदि के द्वारा किया गया और इस कार्यक्रम मे भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित एम एल सी रमा निरंजन आर पी निरंजन मनोज पालीबाल एसडीओ अनिरुद्ध मोर्या ई ओ पवन किशोर मौर्य आदि को प्रभन्जन ज्वेलर्स के मालिक प्रभन्जन अग्रवाल और मृगेंद अग्रवाल द्वारा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया और इस मौके पर आये हुए मेहमानो को बढिया स्वादिष्ट भोजन परोसकर खिलाया गया इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील लोहिया कडोरे लाल बाबू जी संदीप अग्रवाल संजीव गर्ग बाबुराम पाल डा हरपाल सिंह यादव शिक्षक अवधेश पटेल प्रधान पचीपुरी अवध यादव शैलेंद्र सर्राफ उज्जवल तिवारी रज्जन अग्रवाल अनिल पटेरिया सुल्तान राइन सभासद राहुल वर्मा शमसुद्दीन मंसूरी सहित कई नगर के अच्छे भले लोग मौजूद रहे आभार प्रभन्जन अग्रवाल ने जताया है

सामाजिक कार्यकता की हत्या करने आए छह बदमाश गिरफ्तार, विदेशी पिस्टल व तमंचे बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। कांधला थाना क्षेत्र के डूंडू खेड़ा ग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता राजपाल की हत्या करने आए 6 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने एक बदमाश के पास से विदेशी पिस्टल व अन्य बदमाशों के पास से दो तमंचे व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ गंभीर

धाराओं में मामला पंजीकृत करते हुए जेल भेज दिया है। कावड़ यात्रा से कुशल संपन्न कराने को लेकर जनपद पुलिस को सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इसे लेकर चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चैकिंग अभियान के दौरान कांधला पुलिस ने मार्ग पर छह संदिग्ध लोगों को कार में जाते हुए देखा ।पुलिस ने उक्त लोगों को रोकने का इशारा किया तो बदमाशों ने कार लेकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने मार्ग पर घेराबंदी कर बदमाशों को मौके पर ही दबोच लिया। पुलिस सभी बदमाशों को मौके पर गिरफ्तार करने के बाद थाने ले आई। पुलिस ने तलाशी के दौरान कब्जे से एक पिस्टल जिगाना, 10 कारतूस 9 एमएम प्रतिबंधित, एक तमंचा 315 बोर मय दो कारतूस 315 बोर व एक तमंचा 12 बोर व दो कारतूस 12 बोर व एक गाडी फॉक्स नं0 एचआर 98आर 5700 बरामद हुआ है। आरोपियों ने पूछताछ पर बताया कि बीते रविवार की रात्रि में डुंडुखेड़ा निवासी राजपाल सिंह व ग्राम गढीरामकौर निवासी लोकेश पुत्र सतपाल के बीच किसी मामले को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद उक्त् पक्ष राजपाल से रंजिश रखने लगा। गढ़ीरामकौर के लौकेश उर्फ लोकी पुत्र सतपाल के बुलाने उक्त लोग राजपाल की हत्या करने के लिए मौके पर आए थे। पुलिस पूछताछ के दौरान बदमाशों ने अपने नाम अनिल पुत्र जिलेराम निवासी उलावास थाना सैक्टर 65 गुरूग्राम जिला गुरूग्राम हरियाणा, विक्की पुत्र सूरजभान निवासी विकासपुरी मकान नं0 220 जे ब्लाक थाना विकासपुरी जनपद वैस्ट दिल्ली नई दिल्ली, विवेक उर्फ विक्की पुत्र वेदपाल निवासी बी 407 गंगानगर थाना गंगानगर जिला मेरठ, सचिन पुत्र करतार निवासी बरवन्तपुर थाना गुलावठी जिला बुलन्दशहर तथा अरूण कहराना पुत्र जितेन्द्र कहराना निवासी ग्राम कमाला थाना सिंघावली अहीर जिला बागपत, सूरज घामा उर्फ अमित पुत्र देवेन्द्र सिंह नि0 बेहटा हाजीपुर राजनगर 250/26एफ थाना लोनी बोर्डर जिला गाजियाबाद बताया है। विदेशी पिस्टल के साथ बदमाशों को पकड़े जाने के बाद से पुलिस प्रशासन पूरी तरह से हरकत में है। घटना के संबंध में एटीएस सहित कई टीमें पूछताछ में जुटी है। सीओ कैराना अमरदीप मौर्य का कहना है कि विदेशी पिस्टल कहां से खरीदी गई, और प्रतिबंधित हथियार से क्या-क्या घटनाओं को अंजाम दिया जाएगा इसकी जांच की जा रही है।

खेत जुताई के दौरान निकली प्राचीन शिवलिंग, लोग बोले-सावन में भगवान खुद घर आए; दर्शन को लगी भीड़

ताजनगरी में खेत जुताई के दौरान प्राचीन शिवलिंग की मूर्ति निकली। लोगों ने कहा कि सावन में भगवान खुद घर आए हैं। दर्शन को भीड़ लग गई। उत्तर प्रदेश के आगरा में खेत की जुताई करते समय ट्रैक्टर के कल्टीवेटर में एक पत्थर टकराया। लोगों ने देखा तो प्राचीन अद्भुत शिवलिंग निकली। इसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लोगों ने इसे स्थापित करके पूजा-अर्चना शुरू कर दी। सावन माह भगवान शिव की आराधना के लिए जाना जाता है। मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहते हैं। इसी कड़ी में पिनाहट क्षेत्र के पातीरामपुरा गांव निवासी किसान राधेश्याम बुधवार की सुबह खेत की जुताई करा रहे थे। ट्रैक्टर के कल्टीवेटर से एक पत्थर टकराया। देखा तो एक अद्भुत प्राचीन शिवलिंग थी। इसकी लंबाई करीब डेढ़ फुट गोलाकार है।खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। शिवलिंग की महिलाओं ने सफाई शुरू कर दी। भजन कीर्तन और बम-बम भोले के जयकारे गूंजने लगे। लोगों ने शिवलिंग स्थापित करके पूजा अर्चना शुरू कर दी। आसपास के गांव में भी शिवलिंग निकलने की खबर फैल गई तो लोग दर्शन को आने लगे। सावन माह में शिवलिंग निकालने की सूचना मिलते ही सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण पातीरामपुरा में शिवलिंग को देखने के लिए पहुंच रहे हैं। प्राचीन शिवलिंग ग्रामीणों के लिए आस्था का केंद्र बन गई है। लोग पूजा अर्चना करने के साथ चढ़ावा भी चढ़ा रहे हैं। और भजन कीर्तनों का दौर शुरू हो गया है। वहीं ग्रामीण राधेश्याम, सुनील कुमार, और रामदेवी ने बताया कि गांव में भगवान शिव का कोई मंदिर नहीं था पूजा अर्चना करने के लिए दूसरे दूर मंदिरों में जाना पड़ता था। सावन माह में अचानक शिवलिंग निकलने से भगवान शिव उनके गांव पधारे हैं। उन्हें स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू कर दी गई है। जल्द ही मंदिर का निर्माण भी कराया जाएगा। सावन पवित्र माह में शिवलिंग प्राप्त होना बहुत ही पुण्य की बात है। भगवान गांव पर कृपा बनकर निकले हैं। जिसे लेकर बहुत धन्य हो गए हैं।

यूपी में दर्दनाक घटना: काश... मान ली होती मां की बात तो न जाती बेटियों की जान, इस जिद पर अड़ गई थी मीनाक्षी

संतकबीर नगर के बखिरा क्षेत्र के बड़गो गांव की तीन बेटियों की झील में डूबने से मौत हो गई। इस हादसे से गांव में मातम छा गया। झील में डूबी तीनों किशोरियों के घर मातम पसरा हुआ है। झील में डूबी मीनाक्षी की मां ने बताया कि उसने बेटी को झील में जाने से मना किया था, लेकिन अन्य तीन लड़कियों के साथ टहलने के बहाने जाने की बात कहते हुए बेटी मीनाक्षी जिद करके अन्य तीनों लड़कियों के साथ झील में चली गई। इतना महेंद्र सिंह तंवर और पूर्व विधायक राकेश सिंह लीझील में डूबी मीनाक्षी की मां ने बताया कि अन्य तीन लड़कियों के साथ टहलने के बहाने वह तीनों लड़कियों के साथ झील में चली खबर मिली। रोते हुए मीनाक्षी की मां ने बताया कामकाज में हाथ बंटाती थी। उसके चले जाने अन्य दो लड़कियों पायल व अर्चना के परिजन लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। तीनों कौन टाल सकता है, इतना कहते हुए परिजन और पूर्व विधायक राकेश सिंह बघेल सीएचसी की जानकारी ली। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने किशोरियां पढाई में थी अव्वल- बड़गो में अफरा-तफरी का माहौल रहा। लोग कुछ समझ जा रहा था। तीनों बेटियों की हालत गंभीर थी।

कहते हुए वह अपने आंसू को रोक नहीं पाईं। डीएम बघेल भी सीएचसी पर पहुंचे और घटना की जानकारी उसने बेटी को झील में जाने से मना किया था, लेकिन जाने की बात कहते हुए बेटी मीनाक्षी जिद करने लगी। गई। जाने के एक घंटे के अंदर ही बेटी की मौत की कि बेटी बड़ी ही होनहार और मिलनसार थी। घर के से उनकी दुनिया ही उजड़ गई।इतना कहते हुए रोने लगी। भी बेटियों को जाने से मना करने की बात कह रहे हैं। की मौत झील में डूबने से होने थी, तो इस होनी को रोने लगे। घटना की सूचना पर डीएम महेंद्र सिंह तंवर मेंहदावल पहुंच गए। जहां पर उन्होंने परिजनों से घटना परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।तीनों मंगलवार को तीन-तीन बेटियों की मौत होने से गांव में नहीं पा रहे थे। जो जहां था, वही झील की तरफ भागकर तीनों को मेंहदावल सीएचसी भेजा गया। डॉक्टरों ने तीनों को देखते ही मृत घोषित कर दिया, जबकि काजल का इलाज मेंहदावल में चल रहा है। तीनों मृतक लड़कियों का पंचनामा करके शव पोस्टमार्टम में भेज दिया गया है।तीनों किशोरियां पढाई में थी अव्वल- बड़गो में मंगलवार को तीन-तीन बेटियों की मौत होने से गांव में अफरा-तफरी का माहौल रहा। लोग कुछ समझ नहीं पा रहे थे। जो जहां था, वही झील की तरफ भागकर जा रहा था। तीनों बेटियों की हालत गंभीर थी। तीनों को मेंहदावल सीएचसी भेजा गया। डॉक्टरों ने तीनों को देखते ही मृत घोषित कर दिया, जबकि काजल का इलाज मेंहदावल में चल रहा है। तीनों मृतक लड़कियों का पंचनामा करके शव पोस्टमार्टम मे भेज दिया गया है।संतकबीरनगरः तीन लड़कियां बखिरा झील और दो बहनें दुधारा क्षेत्र के पोखरे में डूबीं- आपको बता दें कि संतकबीरनगर जिले के बखिरा और दुधारा क्षेत्र में मंगलवार को पांच लड़कियों की पोखरे और झील में डूबने से मौत हो गई। बखिरा झील में नहाने गईं बड़गों गांव की चार लड़कियों में तीन की मौत हो गई जबकि एक को मेंहदावल सीएचसी में भर्ती कराया गया है। वहीं, धान की रोपाई करने गईं दुधारा थानाक्षेत्र के खटियावां गांव की दो सगी बहनें पैर फिसल जाने से पोखरे में डूब गईं जिससे उनकी मौत हो गई।बखिरा थानाक्षेत्र के बड़गो गांव की रहने वाली पायल (12) पुत्री दिलीप, मीनाक्षी (15) पुत्री मकसूदन निषाद, अर्चना (17) पुत्री रामनेवास और काजल (14) पुत्री रमेश मंगलवार की शाम करीब चार बजे बखिरा झील में नहाने गईं थीं। गहरे पानी में चले जाने से चारों डूबने लगीं। लड़कियों के चिल्लाने की आवाज सुनकर थोड़ी दूरी पर स्थित मंदिर पर मौजूद ग्रामीण भागकर झील की तरफ पहुंचे। ग्रामीणों के पहुंचने तक एक लड़की बचाने की गुहार लगा रही थी। चारों को झील से निकालकर सीएचसी मेंहदावल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मीनाक्षी, पायल और अर्चना को मृत घोषित कर दिया जबकि काजल को भर्ती कराया गया है।तीन घंटे की तलाश के बाद मिला दूसरी बहन का शव- दुधारा थानाक्षेत्र के खटियावां में एक तालाब से सटे खेत में दो सगी बहने प्रमिला (17) व उर्मिला (15) पुत्री राजेंद्र यादव धान की रोपाई करने गई थी। प्रमिला और उर्मिला का पैर फिसल गया और मेड़बंदी नहीं होने से दोनों तालाब में गिर गईं। करीब 15 फीट गहरे पानी में चले जाने से दोनों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी के बाद जुटे ग्रामीणों ने दोनों बच्चियों की तलाश शुरू की। कुछ ही देर में प्रमिला का शव मिल गया लेकिन उर्मिला को तलाशने में तीन घंटे लग गए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खैर विधानसभा के उप चुनाव के लिए भाजपा किसान मोर्चा के सभी पूर्व कार्यकर्ताओं ने कमर कसी

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूरे जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि खैर विधानसभा चुनाव में भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व कार्यकर्ता जान से लगेंगे खैर विधानसभा भाजपा का गढ़ मानी जाती है पहले से अधिक वोटो से भाजपा प्रत्याशी को विजई बनाना है घर-घर जाकर के प्रचार करना है भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र में चुनाव को लेकर पूर्व भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पूरी तरह से घर विधानसभा क्षेत्र में हर किसान के घर पर मोदी जी योगी जी द्वारा दिए जा रही योजनाओं को भी बताया जाएगा जो भी किसानों की कोई भी समस्या होगी उसको तुरंत मौके मौके पर ही हल कराया जाएगा खैर विधानसभा क्षेत्र में विरोधी दलों के नेताओं की जमानत जप्त होगी खैर विधानसभा क्षेत्र में योगी जी के शासन में सर्वाधिक विकास कार्य हुए हैं जो जनता की नजर में

गुदड़ी बाजार तिहरा हत्याकांड: मेरठ की सबसे खौफनाक थी ये वारदात, 16 साल चला मुकदमा, आज फैसला टला

कोतवाली गुदड़ी बाजार तिहरे हत्याकांड में 16 साल बाद आज फैसला टल गया। इस मुकदमे में बहस पूरी हो चुकी है। अदालत ने सारे दस्तावेज सुरक्षित कर लिए हैं। वहीं हाईकोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत से मुकदमे का स्टेटस मांगा है। आज फैसला टल गया है। अब 31 जुलाई को फैसला आएगा।मेरठ कोतवाली गुदड़ी बाजार तिहरे हत्याकांड में 16 साल बाद 24 जुलाई को फैसला आएगा। इस मुकदमे में बहस पूरी हो गई है। अदालत ने सारे दस्तावेज सुरक्षित कर लिए हैं। आज निर्णय सुनाया जाएगा। वहीं हाईकोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत से मुकदमे का स्टेटस मांगा है और फैसले को टाल दिया है। हाई कोर्ट ने 30 जुलाई तक रिपोर्ट मांगी है। अब 30 जुलाई के बाद की तारीख लगेगी।23 मई 2008 को मेरठ कॉलेज के छात्र सुनील ढाका (27) निवासी जागृति विहार, पुनीत गिरि (22) निवासी परीक्षितगढ़ रोड और सुधीर उज्जवल (23) निवासी गांव सिरसली, बागपत के शव बागपत के बलैनी में नदी किनारे पड़े मिले। तीनों को गोलियां मारने के बाद गला काटकर मारा गया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि 22 मई की रात तीनों का गुदड़ी बाजार में हाजी इजलाल कुरैशी के साथ झगड़ा हुआ था।पुलिस के आरोप पत्र के मुताबिक झगड़े के बाद इजलाल ने अपने भाइयों के साथ मिलकर तीनों को पकड़ लिया। पहले पाइपों से बुरी तरह पिटाई की। इसके बाद तीनों को गोलियां मारी। फिर सबके गले काट दिए। शवों को पानी से धोकर कार की डिग्गी में रखकर गाड़ी सहित नदी किनारे ले जाकर शवों को फेंक दिया। इस घटना का खुलासा होने के बाद मेरठ में हजारों युवाओं ने गैर-राजनीतिक संगठन बनाकर 25 मई को मेरठ बंद का एलान कर दिया था। पूरा मेरठ बंद हुआ था। तत्कालीन कोतवाली इंस्पेक्टर और सीओ की भूमिका पर सवाल उठने के बाद जांच सदर बाजार थाने के इंस्पेक्टर डीके बालियान को दी गई थी।पुलिस ने इस मामले में हाजी इजलाल, उसके भाई अफजाल व परवेज समेत दस आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कुल 14 आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल हुई है। इनमें हाजी इजलाल कुरैशी, परवेज और अफजाल पुत्रगण स्वर्गीय इकबाल, मेहराज पुत्र मेहताब, इसरार पुत्र रशीद, कल्लू उर्फ कलुआ पुत्र हाजी अमानत, इजहार, मुन्नू ड्राइवर उर्फ देवेंद्र आहूजा पुत्र विजय, वसीम पुत्र नसरुद्दीन, रिजवान पुत्र स्वर्गीय उस्मान और बदरुद्दीन पुत्र इलाहीबख्श, शम्मी और माजिद के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल करते हुए हत्याकांड को साबित करने के लिए कुल 37 गवाहों के नाम दिए। युवती को इस मामले में इजलाल को घटना के लिए उकसाने का आरोपी बनाया गया। इस पर युवती कोर्ट से स्टे ले आई थी।धाराओं में फांसी तक की सजा का प्रावधान- इस मामले में पहले बागपत में रिपोर्ट दर्ज हुई थी, लेकिन बाद में इजलाल समेत बाकी आरोपियों के खिलाफ (अपराध संख्या 190/08)के तहत धारा 147, 148, 149, 364, 302, 201, 404, 411 और 3/2 गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। एडवोकेट प्रमोद त्यागी बताते हैं कि इन धाराओं में उम्रकैद से लेकर फांसी तक की सजा का प्रावधान है। अब इस मामले में सिर्फ एक आरोपी शम्मी जेल में है। बाकी सभी आरोपियों की जमानत हो चुकी है। मुकदमे में बहस पूरी हो गई है। आज हाई कोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत से मुकदमे का स्टेटस मांगने के बाद फैसले को टाल दिया। वहीं मेरठ में फैसले को लेकर पुलिस प्रशासना चौकन्ना रहा।गुदड़ी बाजार ट्रिपल मर्डर केस में अभियुक्त गण की ओर से न्यायालय में प्रार्थना की गई कि ट्रांसफर से संबंधित प्रार्थना पत्र उच्च न्यायालय में विचाराधीन है और 30 जुलाई की तिथि नियत है, इसलिए कोई निर्णय पारित न किया जाए। अभियोजन पक्ष की ओर से वरिष्ठ फौजदारी अधिवक्ता प्रमोद त्यागी ने कोर्ट को बताया था कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्रोसीडिंग्स को स्टे नहीं किया गया है तथा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिन प्रतिदिन सुनवाई किए जाने के आदेश दिए हुए हैं।

भाजपा सांसद का छलका दर्द, राज्यपाल से की डीएफओ की शिकायत, लगाए गंभीर आरोप

भाजपा सांसद अशोक रावत ने राज्यपाल को पत्र लिखकर डीएफओ की शिकायत करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। सीतापुर में कार्यक्रम में पहुंची राज्यपाल नाराज हो गई थीं।मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र

से भाजपा सांसद अशोक रावत ने राज्यपाल को पत्र लिखकर जिला वानिकी अधिकारी (डीएफओ) की शिकायत की है। सांसद ने डीएफओ पर गंभीर आरोप लगाते हुए राज्यपाल से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सांसद अशोक रावत ने पत्र में लिखा है कि वह मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र से चौथी बार के सांसद हैं। बीती 20 जुलाई को वन विभाग ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें आपके आगमन की सूचना डीएफओ ने 19 जुलाई को देर रात 10 बजे दी। अधिकारियों द्वारा समय से सूचना न देने के कारण आपका स्वागत नहीं कर सका। न ही सहभागिता ले सका।उन्होंने यह भी लिखा है कि एक दिन पूर्व मैंने पार्टी संगठन के कार्यक्रम निर्धारित कर दिये थे साथ ही यह भी लिखा है कि जिला वानिकी अधिकारी (डीएफओ) के इस आचरण से अत्यंत कष्ट हुआ है। इस तरह के असंवेदनशील व दायित्वों के प्रति लापरवाह जिला वानिकी अधिकारी (डीएफओ) के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की कृपा करें। राज्यपाल ने लगाई थी वन विभाग की क्लास- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बीती 20 जुलाई को सीतापुर स्थित मद्रास रेजीमेंट में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों की क्लास लगाई थी। उन्होंने वन विभाग द्वारा पौधरोपण के लिए अनियमित ढंग से खोदे गये गड्ढों पर सवाल उठाया था। राज्यपाल की सख्ती के बाद जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने वन विभाग के अधिकारियों को सही ढंग से पौधरोपण करने के साथ पौधों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिये थे। इसके बाद डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने पौधों को सही ढंग से रोपित करवाने के साथ उनके सपोर्ट के लिए स्टिक व कार्यक्रम संबंधी बोर्ड लगवाया था।

ओड़गी भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न, पर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा रहें उपस्थित

क्यूँ न लिखूँ सच

ओड़गी-जिले के ओड़गी मंडल में 24 जुलाई 2024 बुधवार को मंगल भवन ओड़गी में भाजपा मंडल ओड़गी कार्यसमिति की बैठक पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा व मंडल प्रभारी रामू गोस्वामी की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुई. सर्व प्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की छाया चित्र के

समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. मुख्य अतिथि पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने केंद्र व राज्य में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनने पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उन सभी मतदाताओं का आभार प्रकट किया.जिन्होंने भाजपा को मतदान कर भाजपा सरकार बनाने में सहयोग किया. प्रभारी राजा पांडेय ने कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता आपस में मिलकर कार्य करें और सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में मदद करें.इस पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ओड़गी भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश तिवारी, बलराम सोनी, प्रवीण गुर्जर, केशव प्रसाद सिंह, आशीष प्रताप सिंह, विभिषण यादव, नीरज गुर्जर, संतोष सिंह, शिवकुमार राजवाड़े, बृजेश कांशी, उमेश्वर गुर्जर, जगदेव यादव, नरेश जायसवाल, अरूण सिंह, अजेन्द्र गुर्जर, प्रियंशु यादव, रोहन देवांगन, सोहन कुर्रे, नधीर पैकरा,पुष्पेंद्र, बृजेन्द्र, अरविंद, मुन्नीलाल, जयप्रकाश, दिलबरन, बृजराज, सरोज सिंह, बेबी बंछोर, मुकदेव, रावेन्द्र,दीपक, रमेश, प्रेमचंद, बागेश्वर व भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें.

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

चंदौली में हादसा: विद्यार्थियों से भरी स्कूल बस पलटी, कई छात्र घायल; मौके पर मची चीख- पुकार

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में बुधवार को सड़क हादसे में कई छात्र घायल हो गए। घटना बस पलटने के कारण हुई। मौके पर पहुंचे परिजनों में चीख - पुकार मच गई। चंदौली जिले में बुधवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। जिले के चकिया बबुरी थाना क्षेत्र के महरिया

आरबीएस स्कूल की बस पलटने से 12 से अधिक बच्चे घायल हो गए। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। जानकारी मिलते ही सभी घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने तत्काल इलाज शुरू किया। दुर्घटना की जानकारी होते ही उप जिलाधिकारी दिव्या ओझा और विधायक कैलाश आचार्य के निर्देश पर चेयरमैन गौरव श्रीवास्तव चिकित्सालय पहुंचकर घायल बच्चों के इलाज के मदद में जुड़ गए और चिकित्सकों से बेहतर इलाज करने की अपील करने लगे। वहीं घटना की जानकारी परिजनों में होते ही हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों में चीख- पुकार मच गई।

दिव्यांगजनों हेतु उपयुक्तता प्रमाण-पत्र बनाने 25 जुलाई को रायपुर में होगा राज्य स्तरीय शिविर आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- दिव्यांगजनों को विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना जरूरी होता है। छत्तीसगढ़ राज्य के दिव्यांगजनों को इस प्रमाण-पत्र के लिए जबलपुर जाना होता है। राज्य के शिक्षित दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए भारत सरकार श्रम मंत्रालय के नेशनल कैरियर सेंटर फॉर डिफरेंटली एबल्ड जबलपुर एवं विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों हेतु नियोजित) रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगजनों को उपयुक्तता प्रमाण-पत्र (सूटेबिलिटी सर्टिफिकेट) प्रदान करने के लिए 25 जुलाई दिन गुरूवार को एक दिवसीय शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से सह शिक्षा पॉलिटेक्निक कॉलेज, बैरन बाजार रायपुर में किया जा रहा है।पीईटी/पीएटी/प्री एमसीए./प्री. बीएससी नर्सिंग/प्री एमएससी नर्सिंग/प्री बीएड आदि प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से व्यवसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपयुक्तता प्रमाण-पत्र आवश्यक जमा करना होता है। रायपुर में आयोजित इस शिविर में दिव्यांगों का परीक्षण कर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपयुक्तता की जांच कर उपयुक्तता प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा । शिविर में भाग लेने हेतु दिव्यांग अभ्यर्थी को जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, शिक्षा एवं आयु से संबंधित प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, आरक्षित वर्ग के लिए जाति प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट आकार के 2 नग फोटो तथा यदि व्यापम द्वारा आयोजित किसी प्रवेश परीक्षा में शामिल हुआ हो तो उसका प्रवेश पत्र साथ में लाना अनिवार्य है। शिविर में आने-जाने हेतु किसी प्रकार का मार्गव्यय देय नहीं होगा। इस शिविर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में दूरभाष नंबर 0771-4044081 पर संपर्क कर सकते हैं।

सुनाया गाँव मे ग्यारह हजार बोल्ट की लाइन से दो मोर टकराई,करेंट के तेज प्रभाव से दोनो की मौके पर ही मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) तहसील के गांव सुनाया में आज बुधवार को सुबह दस बजे के पास पास एक ग्यारह हजार बोल्ट की हाई टेंशन लाइन से राष्ट्रीय पक्षी दो मोर टकरा गई और मौके पर ही मौत हो गई जिस

की सूचना ग्रामीणों ने डायल 112 पर दी मौके पर डायल 112 पुलिस आई मिली जानकारी मे तहसील क्षेत्र के ग्राम ग्राम सुनाया आज बुधवार को सुबह के समय कोंच पहाड़गांव रोड सुनाया पर स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास ऊपर से निकली ग्यारह हजार बोल्ट की हाई टेंशन लाइन निकली है आज दो मोर अचानक उस लाइन से टकरा गई और तेज करेंट की चपेट मे आने के कारण दोनो मोरो की मौके पर ही मौत हो गयी इस घटना की सूचना सुनाया गाँव निवासी समाजसेवी सेवा महाराज ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी डायल 112 मौके पर आई और मौके पर पुलिस ने वन विभाग की टीम को इस घटना बाबत जानकारी दी तो उसी समय वन विभाग कोंच से हेमंत कुमार आए और दोनों मृत पड़ी मोरों को उठाकर ले गए इस मौके पर ग्राम प्रधान योगेंद्र कुमार अनु महाराज अंकित खरे देवेंद्र कुमार डॉक्टर शांति प्रकाश आदि लोग मौजूद रहे

सनातन ज्ञान संस्थान ट्रष्ट दिल्ली द्वारा वार्षिक स्थापना दिवस के अवसर पर मिलन महोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी

काशी वाराणसी उतर प्रदेश मे आयोजन हुआ जिसमे कई प्रदेश के विद्वत जन उपस्थित होकर समारोह की भव्यता को बढाया

इसमे मुख्य अतिथि के रूप मे आचार्य कृष्ण पोण्डेल असम आचार्य हीरालाल जी असम आचार्य संजय उपाध्याय वाराणसी आचार्य विजयपति उपाध्याय काशी राज पुरोहित आचार्य टिकाराम जी असम आचार्य धीरज दुबे जी आचार्य श्री अम्बिकेश दुबे जी अतिथि स्वरूप अपनी गरिमामयी उपस्थित हुये इसमे संस्थान के अध्ययक्ष मनोरंजन मिश्रा पटना उपाध्याक्ष मिथलेश उपाध्याय वराणासी आचार्य नवीन मिश्रा शिक्षा मंत्री सह अध्यापक धनबाद आंनद भट्ट प्रदेश अध्ययक्ष सह वेद अध्यापक उतराखण्ड आचार्य विम्लेश उपाध्याय मध्य प्रदेश राहुल शर्मा कोषा अध्ययक्ष दिल्ली सहित अभिषेक श्री कांत विष्णु तिवारी तेज वीर शर्मा मूल चन्द साहु अवधेश त्रिपाठी प्रिय रंजन चर्टजी सहित सभी इस समारोह मे अपनी सहभागिता दिया इसमे संस्थान के विकाश पर भी चर्चा हुआ प्रतिभा प्रदर्शन और सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया

उद्यानिकी फसलों के लिए मौसम आधारित फसल बीमा के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राज्य में उद्यानिकी फसलों में पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत मौसम खरीफ वर्ष 2024-25 के क्रियान्वयन हेतु छ.ग. शासन कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। जिसके अंतर्गत जिले में अधिसूचित फसलें टमाटर (बीमित राशि-120000, प्रीमियम राशि-6000), केला (बीमित राशि-85000, प्रीमियम राशि-4250), बैगन (बीमित राशि-77000 प्रीमियम राशि-3850), मिर्च (बीमित राशि-68000, प्रीमियम राशि-3400), अदरक (बीमित राशि-150000, प्रीमियम राशि-7500), पपीता (बीमित राशि-87000, प्रीमियम राशि-4350) एवं अमरूद (बीमित राशि-45000 प्रीमियम राशि-2250) है। योजना के क्रियान्वयन के लिए राजस्व निरीक्षक मण्डल को बीमा इकाई बनाया गया है एवं किसानों को बीमा हेतु कास्त के लिए निर्धारित ऋणमान (बीमित राशि) का 5 प्रतिशत प्रीमियम के रूप में देना होगा। इन सभी फसलों के जोखिम अवधि 1 मार्च 2024 से 31 दिसम्बर 2024 है। इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के प्रतिकूल मौसम जैसे अधिक वर्षा, कम वर्षा, बेमौसम वर्षा, अधिक तापमान, कम तापमान, बीमारी अनुकूल मौसम, वायु गति से होने वाली फसलों की क्षति के नुकसान का आकलन स्वचलित मौसम केंद्र द्वारा किया जावेगा। स्थानीय आपदा ओलावृष्टि की स्थिति में कृषक इसकी सूचना सीधे बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 1800-419-0344 पर या लिखित रूप से 72 घंटो के भीतर बीमा कंपनी संबंधित बैंक, स्थानीय उद्यानिकी विभाग/जिला अधिकारी को बीमित फसल के ब्यौरे, क्षति की मात्रा तथा क्षति का कारण सहित सूचित करेगा। सभी ऋणी एवं अऋणी कृषक जो भी उद्यानिकी फसलें ले रहे है, दिनांक 31 जुलाई 2024 तक लोकसेवा केन्द्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति कंपनी के प्रतिनिधि के माध्यम से बीमा करा सकते है। पत्र या बुवाई के आशय का स्वघोषणा पत्र जो क्षेत्रीय राजस्व अधिकारी/ग्रा.उ.वी. अधिकारी द्वारा सत्यापित हो जमा कर नामांकन करा सकते है। जिले में फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन हेतु एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को अधिकृत किया गया हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी सहायक संचालक उद्यान कार्यालय सूरजपुर या मैदानी क्षेत्रों में पदस्थ उद्यान विकास अधिकारियों से प्राप्त की जा सकती है।

25 जुलाई से 12 अगस्त तक राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 25 जुलाई से 12 अगस्त तक जिले के सभी तहसीलों के राजस्व ग्रामों में राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

किसी भी आपदा पर डायल करें 1070

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- प्रदेश में किसी आपदा में जन समुदाय को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार गृह मंत्रालय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली तथा सी-डेक तिरूवनंतपुरम एवं राज्य सरकार के सहयोग से ई आरएसएस (डॉयल-1070-आपदा प्रबंधन आपातकालीन नम्बर) संचालित किया जा रहा है। जन समुदाय द्वारा उक्त नम्बर 1070 पर डॉयल कर बाढ़, अग्नि दुर्घटना, आकाशीय बिजली दुर्घटना, सर्पदशं आदि में सहायता हेतु संपर्क किया जा सकता है।

हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2024 अंतर्गत 247 विद्यार्थियों ने दी हिंदी की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2024 में आज कक्षा 10 वीं के विषय-हिन्दी की परीक्षा जिले के निर्धारित 9 परीक्षा केन्द्रों में सफलतापूर्वक संचालित किया गया। जिसमें कुल दर्ज-247 परीक्षार्थियों में से 37 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। श्री राम ललित पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में श्रीमती लता बेक सहायक संचालक के द्वारा परीक्षा केन्द्र क्रमांक-(741039) शा.उ.मा.वि. प्रतापपुर एवं केन्द्र क्रमांक-(741092) शा.उ.मा.वि. भैयाथान का औचक निरीक्षण किया गया, जहाँ परीक्षा सुचारू एवं शांतिपूर्वक संचालित होना पाया गया।

सामने आई करतूत: दरोगा खेलता रहा लूडो, आरोपियों के संपर्क में रहे सिपाही ने गिरफ्तारी के पहले ही भगा दिया

बिजली संकट में विवाद के दौरान प्रॉपर्टी डीलर की मौत के मामले में विभागीय जांच में निलंबित पुलिसकर्मियों की करतूत सामने आ गई है। जब पीड़ित पक्ष तहरीर लेकर थाने पहुंचा तो दरोगा लूडो खेल रहा था। मामले की सुनवाई नहीं की।प्रॉपर्टी डीलर ऋतिक पांडेय की मौत के मामले में निलंबित पुलिसकर्मियों की करतूत उजागर हुई। जब पीड़ित पक्ष शिकायत करने पहुंचा था तो एक

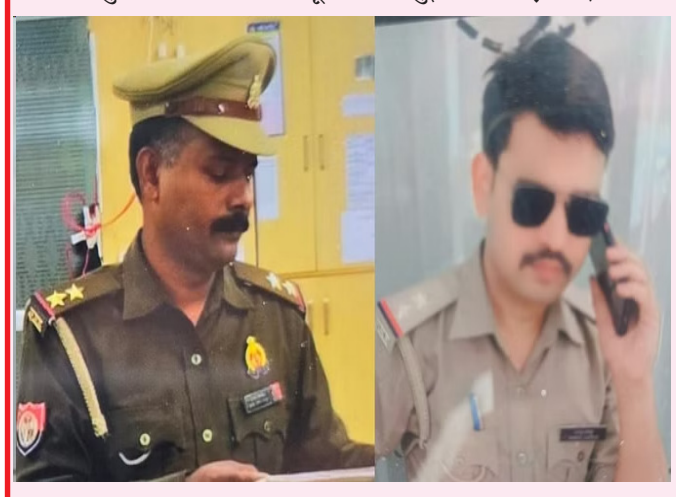

दरोगा मोबाइल पर लूडो खेल रहा था, उसने कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाई थी। शिकायतकर्ता को वापस भेज दिया था। दूसरा दरोगा वारदात की जानकारी होते ही बिना अनुमति के गैर जनपद भाग गया। वहीं सिपाही का कनेक्शन आरोपियों से मिला है। इसलिए इन तीनों को निलंबित किया गया।दरअसल वारदात के बाद जब बंथरा पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा था तब डीसीपी ने मामले की जांच एसीपी कृष्णानगर को दी थी। जांच में पता चला कि वारदात की रात जब पीड़ित पक्ष तहरीर लेकर थाने पहुंचा था तब दरोगा सुशील यादव लूडो खेल रहा था। शिकायतकर्ता ने कार्रवाई की मांग की थी तो उनको वहां से भगा दिया था। बोला था कि जो होगा सुबह होगा।वहीं दरोगा सुभाष यादव इलाके का हलका इंचार्ज था। जब सुबह उसको जानकारी हुई कि मारपीट के मामले में एक की मौत हो गई है तो वह गैर जनपद चला गया। सिपाही यतेंद्र की भूमिका सबसे संदिग्ध पाई गई, क्योंकि घटना के बाद मुख्य आरोपियों से उसकी फोन पर बातचीत हुई। पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर इन तीनों पर कार्रवाई की गई है। सिपाही के इशारे पर भागे आरोपी- जिस तरह से जांच में सामने आया कि सिपाही के संपर्क में आरोपी थे, उससे साफ है कि उसी ने उनको कार्रवाई की जानकारी दी। ये भी बताया कि केस दर्ज हो गया है। अब गिरफ्तारी होगी। इसलिए पहले ही उनको भगा दिया। अब पुलिस को आरोपियों को पकड़ने में दिक्कत आ रही है। झूठ बोलकर फंसा दरोगा- जांच के दौरान जब दरोगा सुभाष से संपर्क किया गया तो एक जिले का नाम लेकर बोला कि वह वहां कोर्ट में आया है। विभागीय कार्य को लेकर। लेकिन, जब उसकी लोकेशन पता की गई तो वह अपने गृह जनपद के करीब था। इससे उसके झूठ का राजफाश हुआ। कई पुलिसकर्मियों के करीबी हैं आरोपी- नामजद आरोपियों का अक्सर स्थानीय थाने में आना जाना लगा रहता था। आरोपी हिमांशु सिंह का पिता कन्हैया सिंह हिस्ट्रीशीटर भी रहा है। कई पुलिसकर्मी इन लोगों के बेहद करीबी हैं। अंदेशा है कि यही वजह थी कि उस रात पहली बार की शिकायत पर सुनवाई नहीं की गई।

काशी का अनोखा मंदिर: श्री राम को यहां मिली थी ब्रह्महत्या से मुक्ति, की थी मंदिर की परिक्रमा; अद्भुत है इतिहास

मंदिरों के शहर काशी में एक ऐसा स्थान है जहां ब्रह्महत्या से मुक्ति पाने के लिए प्रभु श्री राम ने भी तप किया था। पुराणों के अनुसार, रावण की हत्या के बाद प्रभु श्री राम ने कर्दमेश्वर मंदिर की

परिक्रमा भी की थी। आइए जानते हैं इसके और अद्भुत इतिहास...कर्दम ऋषि द्वारा स्थापित कर्दमेश्वर महादेव के दर्शन पूजन से असाध्य कष्टों से मुक्ति मिलती है। पुराणों के अनुसार, भगवान राम को रावण के वध से लगे ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति यहीं मिली थी। त्रेतायुग में पहली बार प्रभु श्रीराम ने पंचक्रोशी परिक्रमा की थी और यह पंचक्रोशी परिक्रमा का पहला पड़ाव भी है। यह भी मान्यता है कि कर्दम ऋषि के तप से प्रसन्न होकर महादेव साक्षात यहां विराजते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि कर्दम ऋषि के बनवाए गए कूप में जिसकी छाया दिख जाती है, उसकी उम्र लंबी होती है। वहीं, इतिहासकारों के अनुसार, कंदवा पोखरे के किनारे स्थित कर्दमेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल वंशीय राजाओं ने कराया था। ऊपरी भाग में नक्काशीदार सजावटी शिखर है। मंदिर का मुख्य द्वार तीन फीट पांच इंच चौड़ा और छह फीट ऊंचा है। मंदिर का गर्भगृह, जिसकी बाहरी माप 12 गुणे 12 फीट और भीतरी माप आठ फीट आठ इंच चौड़ा व आठ फीट लंबा है। इसी के मध्य ही कर्दमेश्वर शिवलिंग स्थापित है। गर्भगृह के उत्तर-पश्चिमी कोने में छह फीट की ऊंचाई पर जल स्रोत है, जिससे शिवलिंग पर लगातार जलधारा गिरती रहती है। इतिहासकारों का कहना है कि घने जंगल में होने के कारण यह मंदिर मुगल आक्रमण के दौरान हुए ध्वंस से सुरक्षित बच गया था। खजुराहो से मिलती हैं आकृतियां - क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र यादव का कहना है कि कर्दमेश्वर मंदिर के निर्माण के सही समय का निर्णय मुश्किल है। कर्दमेश्वर मंदिर की कुछ आकृतियां जैसे दक्षिणी भित्ति पर बनी उमा महेश्वर की मूर्ति खजुराहो के मंदिरों में बनी आकृतियों की तरह हैं। इसी प्रकार उत्तर की ओर निर्मित रेवती और ब्रह्म की मूर्ति की केश सज्जा गुप्त कालीन मूर्ति कला से प्रभावित है। मंदिर पर बनी आकृतियां पुष्ट और मृदु के साथ ही चेहरे पर प्रभावकारी मुस्कान लिए हैं, जबकि नाग और शेर का चित्र अपरिपक्व व भावहीन है। इस प्रकार की आकृतियां दुलादेव मंदिर (1150 ईस्वी) के खजुराहो व उदेश्वर मंदिर उदयपुर में देखने को मिलती हैं।

संक्षिप्त समाचार

मास्टर माइंड राजीव नयन को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, जमानत याचिका मंजूर, जेल से नहीं निकल पाएगा

आरओ एआरओ पेपर लीक के मास्टर माइंड राजीव नयन की जमानत याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट से मंजूर हो गई है। उसके खिलाफ सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। एक दिन पहले कौशाम्बी पुलिस ने उसके खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की है। उसे जमानत तो जरूर मिल गई है, लेकिन वह जेल से बाहर नहीं आ सकेगा।उत्तर प्रदेश

लोक सेवा आयोग के आरओ-एआरओ पेपर लीक मामले के मास्टर माइंड राजीव नयन मिश्र को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका मंजूर कर ली है। आरओ-एआरओ पेपर लीक के मास्टर माइंड राजीवन नयन को बुधवार को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। राजीव नयन यूपी पुलिस सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले का भी मास्टरमाइंड रहा है। उसे प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज मामले में जमानत मिली है। जमानत मिलने के बाद भी वह जेल से बाहर नहीं आ सकेगा।दो मार्च को यूपी लोक सेवा आयोग के सचिव अशोक कुमार ने आरओ-एआरओ पेपर लीक मामले में प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस की जांच में राजीव नयन मिश्रा का नाम मास्टरमाइंड के रूप में सामने आया था। 11 फरवरी को आरओ-एआरओ परीक्षा आयोजित की गई थी। राजीव नयन मिश्रा को मेरठ, नोएडा और कौशांबी में दर्ज मामलों में पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। वहीं कौशांबी पुलिस ने आरओ/एआरओ पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा समेत 23 सदस्यों पर गैंगस्टर लगा दिया है। कौशाम्बी पुलिस ने मंझनपुर, कोखराज व प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज मुकदमों को आधार बनाकर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी की अदालत ने उसे जमानत दी है।

ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर 15.69 लाख की ठगी, लिंक पर क्लिक करते ही ठगों के जाल में फंसा युवक

बरेली में 15.69 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर युवक को जाल में फंसा लिया। फिर कई बार में उससे रकम ट्रांसफर करा ली।बरेली में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर 15.69 लाख रुपये ठग लिए। यह रुपये उनसे अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराए गए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज किया गया है। एकतानगर निवासी राजीव कुमार ने फेसबुक पर एक लिंक को लाइक किया था। इसके बाद राजीव को स्टॉक मार्केट का व्हाट्सएप ग्रुप बताकर एक ग्रुप से जोड़ दिया गया। चार-पांच दिन तक राजीव ग्रुप की गतिविधि देखते रहे। फिर ठगों की बातों और दावों के झांसे में आकर राजीव ने ट्रेडिंग में निवेश का मन बना लिया। उन्होंने ठगों के बताए खातों में कई बार में 15 लाख 69 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए।यह रुपये उनसे टीना मित्तल और बसंत नाम बताने वाले लोगों ने जमा कराए। जब रुपये लौटाने के लिए कहा तो ठगों ने 32 लाख रुपये निवेश करने की बात कही और सोलर प्लांट लगाने का झांसा दिया। तब राजीव को ठगी का अहसास हुआ। साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। ये बरतें सावधानी- किसी को आधार कार्ड या पैनकार्ड न भेजें। किसी नए लिंक पर क्लिक न करें, आपकी निजी जानकारी ठगों को मिल सकती है। किसी ऑफर या इनाम के झांसे में न आएं। किसी को ओटीपी न बताएं, बैंक संबंधी डिटेल न दें। वीडियो कॉल पर न्यूड वीडियो बनाकर ठगी के मामले बढ़े हैं, इनसे सावधान रहें। रात में सोते वक्त मोबाइल पर इंटरनेट बंद करना भी ठगी से बचाता है। फिजूल के एप डाउनलोड करने से बचें। ठगी होते ही 1930 टोल फ्री नंबर पर कॉल करें। सोशल मीडिया अकाउंट पर प्राइवेसी लगाकर रखें। ठगी का पता चलते ही तत्काल cybercrime.gov.in पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मरीज की मौत पर तीमारदारों ने डॉक्टर को कुर्सी और पाइप से बेरहमी से पीटा, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

आरोपियों ने डॉक्टर को कुर्सी और पाइप से बेरहमी से पीटा। इस दौरान पूरे अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार इलाके में भर्ती एक मरीज की मौत के बाद तीमारदारों ने डॉक्टर और अस्पताल के स्टाफ से जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान डॉक्टर प्रोफेसर रवि देव को चोट लगी। पूरी घटना अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।गोमती नगर विस्तार इलाके में इग्निस अस्पताल में एक मरीज तीन दिन पहले भर्ती कराया गया था। उनका इलाज वरिष्ठ चिकित्सक प्रोफेसर रवि देव कर रहे थे। बीती रात मरीज की मौत हो गई। मरीज की मौत के बाद उसके परिजन भड़क उठे और डॉक्टर व अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।डॉक्टर और अस्पताल के स्टाफ ने उन लोगों को समझाने का प्रयास किया पर सभी लोग इतना भड़क उठे कि उन लोगों ने बुजुर्ग डॉक्टर रवि देव के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उनको कुर्सी और पाइप से बेरहमी से पीटा। इस दौरान पूरे अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। किसी तरह कुछ लोगों ने बीच में पड़ कर डॉक्टर रवि देव को बचाया। अस्पताल परिसर में हुई घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। बुधवार को घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में आधा दर्जन से अधिक लोग डॉक्टर रवि देव के साथ मारपीट करते दिखे। इस मामले में अब मारपीट करने वालों के खिलाफ गोमतीनगर विस्तार थाने में केस दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सनसनीखेज खुलासा : करेली में बेटे ने ही की थी मां की हत्या, रोज-रोज के तानों से तंग आकर उठाया खौफनाक कदम

कलयुगी बेटे ने ही करेली में मां की हत्या की थी। रोज रोज के तानों से तंग आकर उसने खौफनाक कदम उठा लिया। आरोपी ने पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन मां ने उसकी पिटाई की थी। इससे गुस्से में आकर उसने मसाला कूटने वाले खल के बट्टे से मां की कूंच-कंचकर हत्या कर दी। उसके खुलासे से पुलिस भी दंग रह गई। करेली थाना क्षेत्र के भावापुर में महिला की हत्या व लूटपाट की घटना के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार बेटे सचिन पाल ने ही अपनी मां की हत्या की थी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने आरोप कुबुल कर लिया। सचिन ने पुलिस को बताया कि रोज-रोज के ताने से तंग आकर उसने ही मां की हत्या की है।आरोपी ने बताया कि हत्या करने से कुछ देर पहले ही मां ने उसकी पिटाई की थी। गुस्से में आकर उसने मसाला कूटने वाले खल के बट्टे से हमला कर मां को मौत के घाट उतार दिया। उसके खुलासे के बाद पुलिस भी हैरान रह गई। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को मीडिया के सामने पेश किया। यह है पूरा मामला- करेली थाना क्षेत्र के भावापुर मोहल्ले में रविवार रात सनसनीखेज वारदात को अंजाम देते हुए एक महिला की हत्या कर दी गई थी। यहां महिला की हत्या कर बदमाश 15 लाख नकद और पांच लाख के गहने लूट ले गए थे। घटना के समय महिला घर में अकेली थी। शाम को बेटे के घर वापस आने के बाद घटना की जानकारी हुई। मुहल्ले में दो दिन से घूम-घूमकर चंदा मांगने वाले दो युवक पर शक की सुई गई थी। मनीराम पाल मूल रूप से कानपुर के बिल्हौर के रहने वाले हैं। वह हाईकोर्ट के पास फोटोस्टेट की दुकान चलाते हैं और परिवार के साथ करेली के नयापुरवा मोहल्ले में किराए के मकान में रहते हैं। घर में पत्नी सुभद्रा (54) के अलावा बड़ा बेटा योगेश है। बहू 15 दिन पहले मायके चली गई थी, जबकि छोटा बेटा इन दिनों गांव में ही है। सचिन भावापुर चौराहे पर स्टेशनरी की दुकान चलाता है। बेटा ही निकला कातिल, पुलिस खोज रही थी चंदा मांगने वाले युवकों को- करेली के भावापुर में सुभद्रा देवी की हत्या उसके बेटे सचिन पाल ने ही की थी। वह घर से कुछ दूरी पर फोटोस्टेट की दुकान चलाता है। हत्या के खुलासे के लिए पांच टीमें बनाई गई थीं। परिजनों से पूछताछ के आधार पुलिस कुछ दिन से मुहल्ले में चंदा मांगने के लिए घूम रहे युवकों को खोज रही थी। कुछ युवकों पुलिस ने हिरासत में भी लिया था, लेकिन घटना का खुलासा जब हुआ तो सभी हैरान रह गए। पुलिस को गुमराह करता रहा सचिन- वारदात की सूचना पर पुलिस के घर पहुंचने पर सचिन ने बताया कि रोज की तरह सुबह साढ़े नौ बजे पिता दुकान चले गए। 12.30 बजे वह भी दुकान चला गया। इस दौरान मां घर पर अकेली थी। शाम छह बजे जब वह घर वापस आया तो मेन गेट बंद तो था, लेकिन भीतर से कुंडी नहीं लगी थी। वह जैसे ही अंदर गया उसकी चीख निकल गई। मां बिस्तर पर खून से लथपथ पड़ी थी और सारा सामान बिखरा हुआ था। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए और फिर जानकारी पाकर पुलिस पहुंच गई। मौके पर ही मौजूद था कातिल, खोजी कुत्ता नहीं पकड़ पाया- सुभद्रा की हत्या की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम ने भी पहुंचकर छानबीन की। पुलिस का खोजी कुत्ता घर अंदर गया। सभी कमरों में घूमते हुए वह बाहर भी आसपास सूंघता रहा, लेकिन कातिल वहीं मौके पर मौजूद था। खोजी कुत्ता कातिल की पहचान नहीं कर सका।

ताजमहल में जलाभिषेक के लिए याचिका दायर, एएसआई अधीक्षण को समन जारी करने के आदेश

ताजमहल में जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक के लिए याचिका दायर की गई है। एएसआई अधीक्षण को समन जारी करने के आदेश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को अदालत में एक याचिका दायर की गई है। याचिका योगी यूथ ब्रिगेड ने लघुवाद न्यायाधीश मृत्युंजय श्रीवास्तव की अदालत में दायर की। याचिका में सावन महीने में ताजमहल में जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक की मांग की है। याचिका में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. राजकुमार पटेल को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिकाकर्ता कुंवर अजय तोमर ने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में अपना पक्ष रखा। सुनवाई के बाद अदालत ने एएसआई अधीक्षण पुरातत्वविद को समन और नोटिस जारी करने के आदेश दिए।याचिकाकर्ता योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर का कहना है कि ताजमहल यानी तेजोमहालय भगवान शिव का मंदिर है। इसमें जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक होना चाहिए। ताजमहल में उर्स का आयोजन होता है तो फिर जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक क्यों नहीं हो सकता

Saree Draping Tips: Always keep these things in mind while wearing a saree, otherwise you will get into trouble

Saree is such an Indian dress, which women carry without thinking in any party or wedding. Saree also adds to the beauty of every woman. If the saree is worn in the right way, then the look looks very simple, on the other hand, if some minor mistakes are made while wearing it, then your look can also be spoiled. Due to this, it is very important for you to know what things should be kept in mind while wearing a saree. If you want to get a perfect look in a saree, then keep some things in mind while wearing a saree. By keeping these things in mind, you can make your saree look extra beautiful from ordinary. It is very important for those girls who are about to get married to keep these things in mind. So that they can win people's hearts with their perfect saree look after going to their in-laws. Petticoat should be right - Often women make the mistake of not wearing the right petticoat while wearing a saree. You will find different types of petticoats in the market according to every saree. You cannot wear a cotton petticoat with every type of saree. It can spoil your look. Also, keep in mind the size of the petticoat. If it is not of your size, then also your saree look can be spoiled because of it. Tie it at the right place- The saree should neither be tied too high above the waist nor too low. Often, to look glamorous, women tie the saree quite low on the waist, which also looks very strange. In such a situation, keep in mind that if your belly is slightly protruding, then tie the saree above the navel, otherwise you can tie it a little below the navel. Make pleats properly- Always tie the pleats of your saree properly. If it is tied in the wrong way, then it can spoil your look. Due to the tied pleats, your belly will also look very fat. Along with this, keep in mind that the pleats of the saree should be equal, these also help a lot in making the saree look beautiful. Safety pin is important- Women who often wear sarees, many times they do not put safety pins in the saree due to confidence. You should never take this risk. After tying the saree, definitely put a safety pin on it. This will also reduce the fear of the saree opening. Pinning also makes the saree look good. Wear the saree with footwear- If you wear the saree without footwear, then your saree will rise. In such a situation, wear the footwear that you want to carry with the saree first and only then tie the saree. Your saree will be tied at the right place due to the footwear. Make the pallu first- While wearing the saree, first make the pallu. If you make the pallu first, then you can tie the remaining extra saree in the pleats. If you make the pleats first, then the pallu can be small or big. Making the pallu first also keeps the saree tight.

Sawan Special Recipe: Prepare Kadhai Paneer without onion and garlic in Sawan, you will not be able to forget the taste

The month of Sawan is going on. In such a situation, people follow many rules in Sawan according to their own convenience. Mahadev is worshipped throughout this month. It is believed that whoever worships Bholenath with a true heart and follows the rules, then Shiva-Shankar fulfills all their wishes and removes all the troubles. The rules of Sawan also include the rule of not eating onion and garlic. If you also want to make something tasty without onion and garlic, then you can prepare Kadhai Paneer. People feel that food does not taste good without onion and garlic, but it is not so. If you make Kadhai Paneer without onion and garlic with the right method, then you will never forget its taste. So without delay, let us teach you how to make Kadhai Paneer without onion and garlic. Ingredients for making Kadhai Paneer Paneer - 250 grams Capsicum - 1 Tomato - 2 large Ginger paste Green chillies - 2 Coriander powder - 1 teaspoon Cumin seeds - 1 teaspoon Garam masala - 1/2 teaspoon Turmeric powder - 1/2 teaspoon Red chilli powder - 1 teaspoon Kasuri methi - 1 teaspoon Fresh green coriander Oil - 2 tablespoons Salt - according to taste Method To make Kadhai Paneer without garlic and onion, first cut the paneer into equal cubes. After cutting the paneer, soak it in hot water for ten minutes, so that it becomes soft. Till the time the paneer is in water, cut the capsicum into equal size and keep it aside. After this, chop the tomatoes finely. Now you have to temper the vegetable. For tempering, first heat oil in a pan. Add cumin seeds to it and let it crackle. Now add ginger paste and finely chopped green chillies to the pan. When its rawness goes away, add finely chopped tomatoes to the pan. Cook it till the tomatoes melt completely and the oil starts leaving the sides. When the tomatoes start leaving oil, add all the spices and mix well. After the spices are roasted properly, add capsicum in the pan and cook it for three to four minutes. After it is cooked properly, add paneer pieces to the spices. Now add salt to it according to taste.

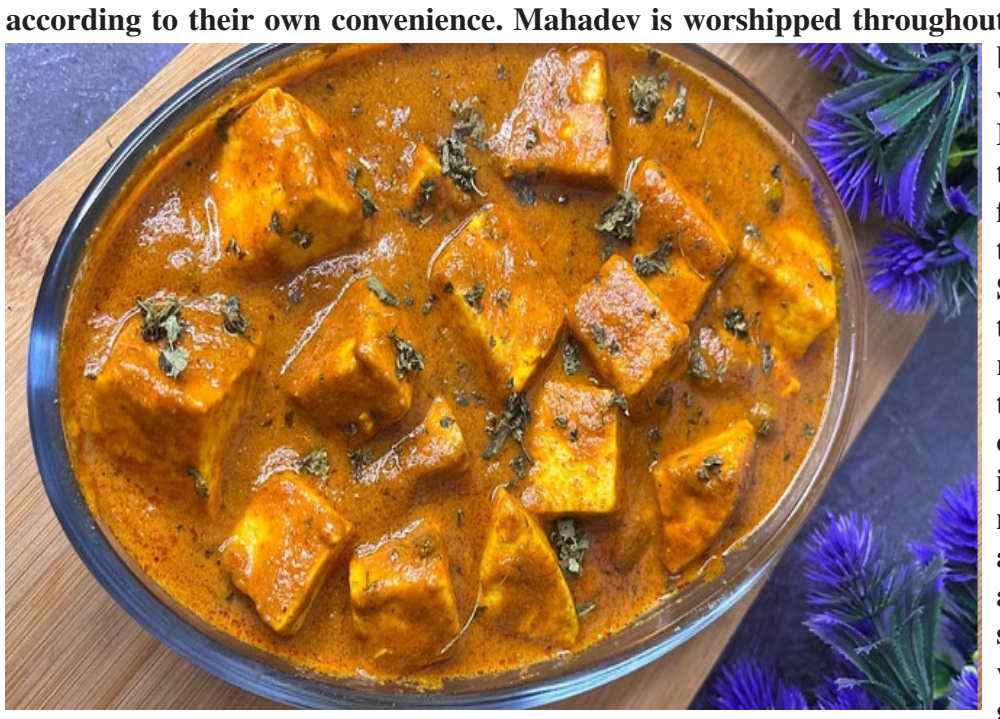

Healthy Diet: These nutrients are found only in pineapple, regular consumption keeps these diseases away

Fruits are known for their nutrients and antioxidant properties, which is why health experts advise all people to consume at least two seasonal fruits daily. Pineapple is considered very beneficial for health for many reasons. Apart from vitamin-C and manganese, this fruit is also a rich source of potassium, magnesium and folate. Most importantly, pineapple is the only known food source in which bromelain is found. It is a combination of protein-digesting enzymes. Bromelain makes it easier to digest and absorb food in the body. Pineapple has been well-liked due to these nutrients. Studies conducted on the benefits of pineapple have found that its regular consumption can be especially beneficial for people suffering from digestive and arthritis problems. This nutrient-rich fruit - Pineapple is no less than a treasure trove of nutrients and beneficial compounds. Researchers found that eating pineapple can also help boost immunity, reduce the risk of cancer and improve recovery after surgery. This fruit is also rich in vitamin C and manganese. Vitamin C is essential for immune health, increasing iron absorption and protecting against infection, while manganese provides antioxidant properties and is helpful in maintaining physical development and metabolism. Beneficial for people suffering from digestive problems - The most benefits of pineapple have been seen related to digestive health. Due to the bromelain enzyme, its consumption can benefit many problems related to digestion. Bromelain breaks down protein molecules, allowing your small intestine to absorb them more easily. A test-tube study found that bromelain also reduces markers of inflammation in digestive tissues. This fruit can be very beneficial for people suffering from digestive problems. Also provides relief in arthritis - Consumption of pineapple is also considered beneficial in reducing the symptoms of arthritis. Due to the problem of swelling and stiffness in the joints, it becomes difficult to walk and get up. Researchers found that the anti-inflammatory properties of bromelain present in pineapple can provide relief from inflammation and pain of arthritis. A study found that bromelain supplements can also be effective in reducing lower back pain and symptoms of osteoarthritis. In people suffering from osteoarthritis, digestive enzyme supplements containing bromelain were found to be beneficial in normalizing pain in the same way as arthritis medicines. Improves immunity - Pineapple has also been used in traditional medicine for centuries. It contains many types of vitamins, minerals and enzymes, which are known to improve immunity and reduce inflammation. A research found that the risk of viral and bacterial infections was significantly lower in those who ate pineapple. Also, the amount of disease-fighting white blood cells was also seen to be higher in children who consumed this fruit. For example, it can also be made a part of the diet to improve immunity.

Amid the uncertainty over the release of 'Pushpa 2', the makers made a big announcement, shared a post and told when it will be released

For some time, there was a constant uncertainty about the release of superstar Allu Arjun's much-awaited film 'Pushpa 2'. In such a situation, the makers have given information about its release date from the official X account of the film. 'Pushpa 2' is one of the most awaited

films of this year. Superstar Allu Arjun's fans are eagerly waiting for this action thriller film. Various speculations have been constantly coming out about the release of the film. Many times there were reports of a rift between the director and the actor, and sometimes there were reports that some scenes of the film were being re-shot. After all these speculations, now such a news has come out, due to which the fans of the actor are very excited. The makers have given information about the release of the film by tweeting on Tuesday. Producers gave information about the release - On Tuesday, information about the release of the film has been given on the official X account of the film 'Pushpa'. An IMDB post has been shared from the X account of the film, in which this film of Allu Arjun has been described as the most awaited film of the year. While re-posting this post, the release date of the film was stamped in the caption. The caption of this post read, "Grand release worldwide on 6 December 2024." It is worth noting that for the past few days, the news of the postponement of the release date of the film was spreading rapidly. There are rumors of estrangement between director and actor - For some time, these discussions were spreading rapidly that everything is not going well between Allu Arjun and director Sukumar. There are rumors that the actor is angry with him. The reason behind this is that the Pushpa actor was seen in a less bearded look at the airport. Obviously, the beard of his character in the film has been shown to be quite big. Some fans had cited reports which said that the shooting of the film would be completed in August. In such a situation, many fans on social media have blamed this alleged rift behind the change in the actor's look before August. 'Uljh' star Janhvi showed her bossy avatar 'Pushpa' was released in 2021 - Let us tell you that some time ago it was reported that the team of the film is busy completing the work fast, so that the film can be released on time. Now in such a situation, it will be very encouraging for the fans to give information about the release of the film on the scheduled date from the team. Let us tell you that this film is a sequel to the film 'Pushpa: The Rise' released in the year 2021. Directed by Sukumar, this film was well liked by the audience. Apart from Allu Arjun, actors like Rashmika Mandanna, Fahadh Fazil, Sunil etc. are going to be seen taking their roles forward in the next part of the film.

Janhvi Kapoor: Janhvi Kapoor stays away from relationships made according to time and need, gave this advice to girls

Janhvi Kapoor is a well-known actress of Hindi films. She has also been praised for her acting on many occasions. These days she is in the news due to her upcoming films. Recently she was in the news due to a statement by her upcoming film Uljhan's co-star Gulshan Devaiah. During this time he had said that the coordination between the two did not get along well on the set. However, despite this, the bonding of both is looking very strong on the screen. Recently, the actress has talked about the relationships made according to the time and need of today. Apart from films, Janhvi Kapoor is also in the news due to her personal life. For the past few

days, she has also been in the news for her relationship with boyfriend Shikhar Pahariya. She often expresses her opinion openly on such things. Due to this, she is constantly in the news with her statements. The actress has recently talked about a trend that is becoming increasingly popular among the youth. These days, the trend of maintaining relationships according to time has increased rapidly among the youth, which is called situationship. Janhvi has given her reaction on this. Having a partner in the form of love in any person's life matters a lot. Having a special person helps a lot in enduring the ups and downs of life. However, these should not be relationships made according to time, but relationships based on love. Recently, during an interview, the actress commented on relationships made according to time and need. She said that she has never been in such a relationship and neither should anyone else be. She finds this to be a very stupid thought. The actress said that she does not believe in such things at all. She said that if someone likes someone, then he is committed to him. If someone does not feel commitment towards someone, then it cannot be a relationship. The actress further said that she does not understand this middle thing. During this, she explained to the girls that if someone has kept a girl hanging in the middle like this, then she should immediately leave that boy and come out of that relationship. Let us tell you that the actress has recently revealed her relationship with Shikhar Pahariya. Talking about Janhvi's work front, she is going to be seen in the film 'Uljh' directed by Sudhanshu Saria. This is a spy thriller film, in which Gulshan Devaiah, Roshan Mathew, Rajesh Tailang and Adil Hussain will also be seen in lead roles along with her. This film will be released in theaters on August 2. Apart from this, she is also going to be seen in Junior NTR's much-awaited film 'Devra' this year. Apart from this, she is also working with Varun Dhawan in 'Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari'.

Shatrughan Sinha: Sonakshi's happiness is most important for Shatrughan Sinha, said- I have fulfilled my duty as a father

Bollywood's beautiful actress Sonakshi Sinha recently tied the knot with her boyfriend Zaheer Iqbal. She married Zaheer in a simple ceremony. Many things related to her marriage are

constantly making headlines. Recently, there were rumours that Sonakshi's father and veteran actor Shatrughan Sinha is not happy with this marriage. Now Shatrughan Sinha himself has denied these rumours. Let's know what Shatrughan Sinha has said in his new interview --- Sonakshi Sinha married Zaheer Iqbal on 23 June. Recently, during an interview, when Sonakshi's father Shatrughan Sinha was asked whether he is happy with Sonakshi's marriage. In response to this question, the actor said, 'For us, there is no greater happiness than the happiness of our children. If they are happy, then we are also happy'. Shatrughan Sinha continues, 'When we saw that Sonakshi's happiness lies with Zaheer. She will be happy with him, then we decided that she has every right to be happy. We have just fulfilled our duty as a father'. Shatrughan Sinha has said on many occasions that there is nothing more important to him than Sonakshi. He loves his daughter very much. The actor says, 'What all people do for their children. We have just taken care of her happiness. This is our small contribution in her life. Sonakshi has every right to choose her happiness and also to take decisions related to her life. We are with her in every happiness'. Sonakshi Sinha and Zaheer Iqbal love each other very much. Recently, both have returned after celebrating their honeymoon. Pictures of Sonakshi and Zaheer often go viral on social media. Recently, during an interview, Zaheer had revealed that he wanted to elope and marry Sonakshi.